दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 304/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 27 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम में देश भर के बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित किया प्रधानमंत्री ने

भाजपा को दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने में मप्र की बहुत बड़ी भूमिका: मोदी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मध्य प्रदेश की धरती की भाजपा को दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने में बहुत बड़ी भूमिका है। इस वजह से ऐसी ऊर्जावान मध्य प्रदेश की धरती पर मेरा बूथ सबसे मजबूत इस कार्यक्रम का हिस्सा बनते हुए मुझे हृदय से आनंद आ रहा है। अच्छा लग रहा है। गौरव हो रहा है। कुछ ही देर पहले मुझे देश के छह राज्यों को जोड़ने वाली पांच वंदे भारत ट्रेनों को एक साथ हरी झंडी दिखाने का अवसर भी मिला है। मैं मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र की जनता को इस आधुनिक वंदे भारत ट्रेन की कनेक्टिविटी के लिए बहुत बधाई देता हूं। मध्य प्रदेश को विशेष बधाई दूंगा। एक साथ दो वंदे भारत ट्रेनें मध्य प्रदेश के भाई-बहनों को मिली है। अभी तक यात्री भोपाल से दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस के सफर का आनंद ले रहे थे। अब भोपाल से इंदौर और भोपाल से जबलपुर का सफर तेज भी होगा, आधुनिक भी होगा और सुविधा से संपन्न भी होगा।

प्रधानमंत्री भोपाल से मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव और 2024 लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार की शुरुआत करने आए थे। उन्होंने भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में मेरा बूथ, सबसे मजबूत अभियान के तहत 543 लोकसभाओं के 10 लाख और मध्यप्रदेश के 64,100 बूथ के कार्यकर्ताओं को डिजिटली संबोधित किया। यहां सभी राज्यों के विधानसभा क्षेत्रों से 3 हजार चयनित बूथ कार्यकर्ता मौजूद रहे। मेरा बूथ-सबसे मजबूत में पार्टी कार्यकर्ता के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, जन्मदिन आंगनबाड़ी में मनाओ, पिताजी की मृत्यु की तिथि है, तो आंगनबाड़ी में मनाओ, शादी की सालगिरह भी आंगनबाड़ी में मनाएं। घर से बनाकर लाओ, इन बच्चों को खिलाओ। इससे आपको आनंद भी आएगा और इन बच्चों का कुपोषण भी कम होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, उभरती भाजपा को दुनिया को सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने में इस धरती की बहुत बड़ी भूमिका है। इसलिए ऐसी ऊर्जावान मप्र की धरती पर मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम का हिस्सा बनते हुए हृदय से आनंद आ रहा है। गौरव हो रहा है।

भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता

प्रधानमंत्री ने कहा, भाजपा की सबसे बड़ी ताकत आप सभी कार्यकर्ता हैं। भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए दल से बड़ा देश है। जहां दल से बड़ा देश हो ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं से बात करने का मेरे लिए भी एक मंगल अवसर है। मैं भी बहुत उत्सुक हूं। नड्डा जी ने बताया कि भाषण बाद में आज सवाल-जवाब हो जाए। एक कार्यकर्ता के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा- अच्छा लगा कि आप रोज की राजनीति की आपाधापी के बजाय दूसरा सवाल लाए हैं। बूथ अपने आप में बहुत बड़ी इकाई है। बूथ की इस इकाई को छोटा नहीं समझना चाहिए। हमें अपने बूथ में राजनीतिक कार्यकर्ता से ऊपर उठकर समाज के साथी के रूप में अपनी पहचान बनानी चाहिए। बहुत सी ऐसी चीजें होती हैं, जिसमें जमीन का फीडबैक जरूरी होता है। बूथ के साथी इसमें बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। बूथ के कार्यकर्ता की दी गई जानकारी की ताकत बहुत बड़ी होती है। हम भाजपा के कार्यकर्ता एसी में बैठक नहीं, गांव-गांव जाकर हर मौसम में जनता के बीच खुद को खपाते हैं। इसलिए बूथ का मजबूत होना जरूरी है। मुझे गांव से कार्यकर्ता ने उज्ज्वला के बारे में समझाया और वो नीति बन गई। कार्यकर्ता की पहचान सेवा से होनी चाहिए।

मोदी एक मंत्र बन गया, जिसका उच्चारण हर देश कर रहा: शिवराज

मेरा बूथ, सबसे मजबूत के मंच से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, हम सौभाग्यशाली हैं कि हमने भारत में जन्म लिया और ऐसे समय भाजपा कार्यकर्ता हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेतृत्व कर रहे हैं। मोदी नाम एक मंत्र बन गया है। आज हर देश मोदी मंत्र का उच्चारण कर रहा है। स्वामी विवेकानंद का सपना साकार हो रहा है। भारत विश्व गुरु होगा। 2024 में भी ऐतिहासिक जीत से मोदी जी देश और दुनिया का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि जब हम भारतीय जनता पार्टी का काम करते हैं तो केवल एक दल का काम नहीं करते हैं पूरे देश के कल्याण के लिए काम करते हैं। मोदी जी केवल हमारे नेता नहीं है बल्कि हमारे मार्गदर्शक, गाइड और हमारे बड़े भाई भी हैं। विदेश यात्रा समाप्त करके बूथ के कार्यकर्ताओं की बैठक करने के लिए आए हैं। यह अपने आप में अद्भुत बात है। आप सौभाग्यशाली हैं जो आज इस सम्मान के लिए चुने गए हैं। प्रधानमंत्री जी आपसे संवाद करेंगे। आज यहां से आप सभी यह संकल्प लेकर जाएंगे कि अपने बूथ पर जीत सुनिश्चित करेंगे। पांचों राज्यों में भी बीजेपी सफलता प्राप्त करेगी !

पीएम ने पार्टी और देश को दुनिया के नक्शे पर खड़ा किया: नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, जब पार्टी की बात आती है, तो प्रधानमंत्री कभी भी हमें समय देने से मना नहीं करते। वे कुशल प्रशासक के साथ संगठन के अच्छे संगठक भी हैं। पार्टी और देश को दुनिया के नक्शे पर खड़ा करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। नड्डा ने कहा, हमने हर लोकसभा में 100 और हर विधानसभा में 25 बूथ ऐसे निकाले, जहां हम कमजोर थे। इन बूथों के सशक्तिकरण का विचार भी प्रधानमंत्री की तरफ से निकला। नड्डा ने कहा, आज भारत ब्रिटेन को ओवरटेक कर 5वीं नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई। इंटरनेशनल मॉन्टेरी फंड बताता है कि भारत की गरीबी 22 प्रतिशत से घटरक 10 प्रतिशत हो गई है। अति गरीबी 1 प्रतिशत से भी कम हो गई है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी दुनिया में सबसे बड़ी पार्टी है तो दुनिया भी भारतीय जनता पार्टी को जाने। नड्डा ने उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम गरीबी कल्याण योजना, अन्न योजना, किसान कल्याण योजना का जिक्र भी किया।

हमें गांव से काम करना होगा

आंध्रप्रदेश के कार्यकर्ता के सवाल पर प्रधानमंत्री ने कहा- कार्यकर्ता के दिल में और ज्यादा काम करने की भूख होना बड़ी ताकत की बात है। भारत विकसित तभी होगा, जब गांव विकसित होगा। हमें देखना होगा कि हमारा कार्यक्षेत्र गांव होगा, पंचायत होगी, नगर होगा, महानगर होगा। इससे ही देश विकसित होगा। इसके लिए हमें गांव से काम करना होगा। लोगों को बैंकों से मदद कैसे दिलवाएं। उनको आर्थिक सहायता कैसे मिलती है, ये बताएं। भारत में बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता ये सोचें की मेरे बूथ पर कोई बच्चा ड्रॉपआउट नहीं होगा। हर बच्चा पढ़ेगा।

करोड़ों कार्यकर्ता जुड़े डिजिटल रूप से

भाजपा संगठन की सबसे छोटी इकाई बूथ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरा बूथ, सबसे मजबूत अभियान के तहत देशभर के करोड़ों कार्यकर्ताओं को मोतीलाल नेहरू स्टेडियम से डिजिटली मार्गदर्शन दिया। देश के विभिन्न प्रदेशों की विधानसभा क्षेत्रों से तीन हजार चयनित कार्यकर्ता भोपाल पहुंचे। इन कार्यकर्ताओं ने बूथ सशक्तिकरण अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीधा संवाद किया। यह देश के राजनैतिक इतिहास में किसी दल का इस तरह का पहला कार्यक्रम हैं।

इतिहास में पहली बार बूथ नेतृत्वकर्ताओं का सम्मेलन

मोदी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत आप कार्यकर्ता हैं। मैं नड्डा, केंद्रीय नेतृत्व, मप्र नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं। मैं 10 लाख कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहा हूं। किसी राजनीतिक दल का इतना बड़ा कार्यक्रम नहीं हुआ होगा। बूथ का नेतृत्व करने वालों का सम्मेलन इतिहास में पहली बार हो रहा होगा। आप भाजपा ही नहीं देश की समृद्धि के मजबूत सिपाही हैं। दल से बड़ा देश है। ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं से बात करना सौभाग्य की बात।

5 नई वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

प्रधानमंत्री ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से देश की 5 नई वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पीएम ने पहले रांची-पटना, धारवाड़-केएसआर बेंगलुरु और गोवा (मडगांव)-मुंबई को वर्चुअली लॉन्च किया। बाद में मध्यप्रदेश की दो वंदे भारत भोपाल-इंदौर और रानी कमलापति-जबलपुर को झंडी दिखाई। ये दोनों ट्रेन एक साथ रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से रवाना

हुईं। इससे पहले पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, ये ट्रेनें मध्यप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा, बिहार और झारखंड में कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी।

स्कूली बच्चों से किया संवाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ रेल मंत्री अश्विन वैष्णव मौजूद रहे। प्रधानमंत्री को अपने बीच पाकर स्टेशन पर मौजूद लोग काफी खुश नजर आए। स्कूली बच्चों में भी काफी उत्साह नजर आया। लोगों का अभिवादन करने के बाद पीएम मोदी वंदे भारत एक्सप्रेस के भीतर गए। प्रधानमंत्री ने ट्रेन में सवार बच्चों से भी संवाद किया। साथ ही स्टाफ से भी बात की।

भोपाल-इंदौर और भोपाल-जबलपुर वंदे भारत ट्रेन की टिकट बुकिंग शुरू

भोपाल से इंदौर और रानी कमलापति स्टेशन से जबलपुर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के लिए टिकटों की बुकिंग शुरू हो गई है। ये ट्रेनें 28 जून से ऑफिशियली चलने लगेंगी। भोपाल से जबलपुर तक एग्जीक्यूटिव क्लास का टिकट 1880 रुपए का है। भोपाल से इंदौर तक का यही टिकट 1600 रुपए का है।

3.05 घंटे में इंदौर, 4.35 घंटे में जबलपुर पहुंचाएगी

जबलपुर के लिए वंदे भारत ट्रेन भोपाल से न चलकर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से चलेगी। इंदौर के लिए वंदे भारत ट्रेन भोपाल से ही रवाना होगी। पहले भेजे गए प्रस्ताव में दोनों ट्रेनों को भोपाल से चलाने का प्लान था। भोपाल-इंदौर-भोपाल की बीच की दूरी यह ट्रेन 3.05 घंटे में पूरा करेगी। जबलपुर-रानी कमलापति-जबलपुर का सफर 4.35 घंटे में तय करेगी।

देश में अभी चल रहीं 18 वंदे भारत ट्रेन

देश में इस समय 18 वंदे भारत ट्रेन चल रही हैं। पहली वंदे भारत ट्रेन 2019 में नई दिल्ली-वाराणसी के बीच चलाई गई थी। इसके बाद नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन चली थी। वंदे भारत ट्रेन पिछले साल गांधीनगर से मुंबई के बीच चलाई गई थी। रेलवे लगातार नए रूट्स पर वंदे भारत ट्रेन चला रहा है।

हरेक मतदान केंद्र पर जीत का संकल्प: वीडी शर्मा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने प्रदेश में मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने हरेक मतदान केंद्र पर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है। प्रत्येक माह जिला, मंडल और शक्ति केंद्र स्तर पर बैठक की जा रही है।

संस्कार विद्यालय में छात्र जीवन में बने दो मीसाबंदियों का किया सम्मान

संत हिरदराम नगर। संस्कार विद्यालय में सोमवार को आपातकाल की 48वीं वर्षगांठ के अवसर पर लोकतंत्र सेनानी कर्नल नारायण पारवानी एवं नरेश वासवानी का संस्कार प्रबंधन द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि 25 एवं 26 जून की रात को देश में लोकतंत्र की हत्या कर आपातकाल की घोषणा की गई। उन्होंने जानकरी देते हुए बताया कि इस घोषणा में बिना किसी कारण के, बिना किसी गुनाह के लाखों लोगों को रातों रात जेल में बंद कर दिया जाता था एवं घर के मुखिया को जेल में बंद करके परिवार की आर्थिक स्थिति खराब कर दी, जिसमें हमारे संत नगर के दो होनहार छात्र कर्नल नारायण पारवानी एवं नरेश वासवानी है। हमें इन दो लोकतंत्र सैनानियों का सम्मान करते हुए हर्ष हो रहा है। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहां कि हमें सतर्क रहना होगा, छोटी सी उम्र में 19 साल के बच्चों को आपातकाल के तहत 19 महीने जेल में डाला गया था। इस अवसर पर लोकतंत्र सैनानी एवं मीसाबंदी नरेश वासवानी ने अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि कैसे उनके द्वारा आपातकाल के विरूद्ध सिंधु टॉकिज बैरागढ़ में पर्चे बाँटते हुए गिरफ्तार किया गया था और 21 महीने वे जेल में बंद थे। मीसाबंदी कर्नल पारवानी ने कहा कि हमें उन बातों को याद रखना चाहिए और आपातकाल में किए अत्याचारों को नहीं भुलाना चाहिए तथा नई पीढ़ी को हमेशा उसकी याद दिलाना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर भोपाल में डंका बजाकर किया स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगुवाई मे विश्व में भारत को गौरवशाली स्थान और डंका बजावाने पर गुरु नानक मंडल अध्यक्ष राजेश कुकरेजा के नेतृत्व में भोपाल गेट पर प्रतिक 21 पंडितो ने शंख बजा ओर स्वास्ति वाचन कर प्रतिक स्वरूप डंका बजाया इस अवसर पर राकेश कुकरेजा ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक नेता बताते हुए भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री बताया और कल 27 जून को झीलों की नगरी में आगमन पर आतिशबाजी कर भोपाल आगमन पर मोदी जी का स्वागत वंदन अभिनंदन किया ।

इस अवसर पर भगवानदास ढालिया ने गत दिवस मोदी जी को मिस्त्र के सर्वोच्च सम्मान सहित विश्व के विभिन्न प्राप्त सम्मानो को बताया इस अवसर पर यतेन मकवाना, विष्णु राजपूत, राजा शर्मा,अतुल घेंघट,नरेंद्र शुक्ला,गोरधन अहिरवार,सुनील नीलकंठ, अजय प्रजापति, प्रभात मालवीय, सिद्धार्थ जैन, आदि ने मोदी जी के स्वागत में उत्साह पूर्वक नारे लगाए

गांधी नगर में प्रस्तावित विकास कार्यो को जल्द शुरू करने की मांग

संत हिरदाराम नगर। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 1 अंतर्गत आने वाले गांधी नगर क्षेत्र में प्रस्तावित सड़क नाली एवं अन्य विकास कार्य शीघ्र शुरू करने की मांग की जा रही है। यहां की संस्था पूज्य सिंधी पंचायत ने नगर निगम कमिश्नर और महापौर को पत्र भी लिखा है। पंचायत अध्यक्ष अशोक प्रेमानी ने बताया कि हुजूर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने गांधीनगर में विकास कार्य तो काफी किए हैं लेकिन कुछ सड़कें बनना भी प्रस्तावित हैं। नगर निगम द्वारा अभी तक इन प्रस्तावित सड़कों का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। पंचायत ने कहा कि विधायक ने गांधीनगर मैं बस स्टैंड और सब्जी मंडी जैसी मूलभूत सुविधाओं जैसे 3 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्य करवाए है। गांधीनगर की सभी उबड़-खाबड़ सड़कों पर डामरीकरण करवाया जाए और सड़कों के दोनों तरफ वर्षा पानी निकासी हेतु कच्ची नालियां भी खुदवाई जाए।

किसानों की पद यात्रा दूसरे दिन भी जारी, जगह-जगह हुई नारेबाजी

संत हिरदाराम नगर। सोमवार को भारतीय किसान संघ एवं मनोहर सिंह ठाकुर के नेतृत्व में भोपाल से सीहोर जाने वाले मार्ग के बीच में कैचमेंट से मुक्ति की मांग को लेकर दूसरे दिन भी गांव-गांव के किसानों द्वारा पदयात्रा की गई एवं जगह-जगह पर नारेबाजी की। उसी श्रृंखला में लखापुर, ईटखेड़ी छाप, कजलास, कोड़िया आदि गांवों में किसानों ने सैकड़ों की संख्या में पदयात्रा निकाली जो ग्राम कोडिया में समाप्त हुई। इस यात्रा में मुख्य रूप से मनोहर सिंह ठाकुर, शिवराज सिंह ठाकुर, लखन सिंह पटेल, रमेश ठाकुर सिंह मेवाड़ा, रमेश मेवाड़ा, बद्री प्रसाद, किशनलाल, राजेश गौर, गणेश राम आदि शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इस यात्रा में आसपास के 50 गांवों के किसान जिसमें प्रमुख रुप से कोलूखेड़ी, बरखेड़ा सालम, बकानिया, खजूरी, बैरागढ़ कला एवं अन्य गांव के किसान सम्मिलित हो रहे हैं। सभी ने कैचमेंट को हटाने के लिए मांग की एवं एक वृहद आंदोलन की चेतावनी दी।

इंडो नेपाल फ्रेंडशिप अवार्ड 2023 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

भोपाल। गौतम बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी नेपाल में 26 नवंबर 2030 को आयोजित होने वाले उसका समारोह इंडो नेपाल फ्रेंडशिप अवार्ड 2023 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की जा रही है कार्यक्रम संचालिका माया मदकोरिया ने बताया कि भारत नेपाल के विकास पत्रकारिता चित्रकला नशा मुक्ति गौ सेवा बाल श्रम सुकृति और पर्यावरण संरक्षण नदी संरक्षण जल संरक्षण ऑर्गेनिक फार्मिंग जैसे सामाजिक क्षेत्रों में सक्रिय व्यक्तियों को कबीर आश्रम सेवा संस्थान बड़ी खाटू राजस्थान द्वारा 26 नवंबर 2023 को गौतम बुध की जन्म स्थली लुंबिनी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में इंडो नेपाल फ्रेंडशिप अवार्ड 2023 से सम्मानित किया जाएगा भारत नेपाल के बीच राष्ट्रीय प्रगाढ़ता बढ़ाने वाले भाईचारा करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा इस सम्मान से केवल 50 महान विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा।

करौंद ब्लॉक कांग्रेस में राय एवं सिंह कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देशानुसार एवं प्रदेश कांग्रेस के महासचिव मोहम्मद आसिफ जकी एवं प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह चौहान की अनुशंसा पर नरेला विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक कॉग्रेस करौंद मै युवराज सिंह राय को कार्यवाहक अध्यक्ष एवं भानु प्रताप सिंह को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया एवं साथ में खेड़ापति ब्लॉक नरेला विधानसभा क्षेत्र में एडी पान एरिया द्धद्ध एवं एडवोकेट मिर्जा इमरान भाई को खेड़ापति ब्लॉक का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया सभी अध्यक्षों को नियुक्ति दिए गए कार्यकर्ताओं ने पुष्प माला पहनाकर नवनियुक्त अध्यक्षों का स्वागत किया एवं कमलनाथ एवं प्रदेश कांग्रेस के महासचिव मोहम्मद आसिफ जकी एवं प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष डॉ महेंद्र सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व पार्षद साजिद अंसारी पार्षद रियाज पूर्व पार्षद प्रत्याशी दिलीप पंडोरिया किसान कांग्रेस अध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस सचिव आदिल सिद्दीकी महेश सी कन्या सैयद शारिक इश्तियाक नारायण ग गीता भैया सैनी एवं अन्य साथी कार्यकर्ता उपस्थित थे

उमाशंकर गुप्ता के जन्मदिवस पर डॉ. माया मदकोरिया ने भेंट की पुस्तक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अंतर्राष्ट्रीय लेखक एडवोकेट माया मदकोरिया पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन उमाशंकर गुप्ता के जन्मदिन के अवसर पर शुभकामनाएं दी इस अवसर पर डॉ माया मत कोरिया लिखित पुस्तक नरेंद्र मोदी ब्रह्मांड का चमकता सितारा भेंट की पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने डॉ माया मदकोरिया की प्रशंसा करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के विजन व्यक्तित्व को प्रदर्शित करते हुए पुस्तक लोगों को प्रेरित करेगी

राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन मिशन जागरूकता के लिए सराहनीय कदम: डॉ. द्विवेदी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कुछ वर्ष पहले तक हम जानते ही नहीं थे किसिकल सेल एनीमिया होता क्या है। प्रधानमंत्री ने इसविषय को छूते हुए इसके जनजागरण के लिए लोगों सेआह्वान किया। मप्र के राज्यपाल भी सिकल सेलएनीमिया को लेकर काफी चिंतित रहते हैं। सिकल सेलएनीमिया एक ऐसी बीमारी है जिसकी वजह से मरीजोंके साथ.साथ उनके परिजन भी काफी परेशान रहते हैं।यह एक अनुवांशिक बीमारी है जिसका किसी भीचिकित्सा पद्धाति में अच्छे रिजल्ट नहीं है। लेकिन डॉ एके द्विवेदी बताते हैं कि होम्योपैथिक चिकित्सा द्वारासिकल सेल एनीमिया से पीड़ित मरीजों की समस्या कोकम किया जा सकता है। हमारा देश युवाओं का देश हैइसलिए अब वक्त आ गया है कि युवा सिकल सेलएनीमिया के प्रति जागरूक हो और इसके जनजागरणके लिए काम करें। शादी के लिए पत्रिका मिलाने केसाथ.साथ होने वाले जीवनसाथी की ब्लड रिपोर्ट भी देखेंजिससे सिकल सेल एनीमिया के वाहक को रोका जासकें। डॉ ए के द्विवेदी द्वारा बनाई गई सिकल सेल एनीमियाबीमारी की जानकारी वाली वेबसाइट ू.सिकलसेल काफ़ी सहायक हैं। इससे स्वास्थ्य देखभाल तक उनकी पहुंच आसान हो सकेऔर सिकल सेल रोगग्रसित लोगों के जीवन की गुणवत्ता मेंसुधार हो सके। केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद भारत सरकार केसदस्य डॉ ए के द्विवेदी ने सिकल सेल एनीमिया रोग केलक्षण बताए जिसमें कमजोरी, थकान ,दम भरना, पेट वशरीर के अन्य भागों में होने वाले दर्द तथा सामन्य व्यक्तिजैसे दैनिक कार्य नहीं कर पाना प्रमुखता से शामिल है।आपने बताया कि होम्योपैथी चिकित्सा के द्वारा हमसिकल सेल बीमारी से पीड़ित इन मरीजों की उक्तपरेशानियों को दूर कर सकते हैं। साथ ही लंबे समय तकहोम्योपैथी चिकित्सा लेने वाले सिकल सेल एनीमिया केमरीजों को बार.बार रक्त चढ़ाने की आवश्यकता भीमहसूस नहीं होती है। वे दैनिक कार्य भी आसानी से करसकते हैं एडवांस्ड होम्यो-हेल्थ सेंटर तथा होम्योपैथिक मेडिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, इंदौर के माध्यम से मध्यप्रदेश में सिकलसेल एनीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए कैंप लगाए जा रहा है। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि अगर आपको काम करने के दौरानजल्दी-जल्दी थकान होती है, बार-बार कोई बीमारी हो जातीहै, शरीर-जोड़ों में दर्द होने लगता है और ये सब अचानक होनेलगता है तो यह एनीमिया के लक्षण हो सकते हैं। लंबे समयसे ब्लीलिंड पाइल्स (मल के साथ खून जाना) की शिकायत हैतो सीबीसी जांच करायें। वहीं छोटे बच्चों को लगातार नकसीरकी समस्या रहती है तो नजरअंदाज न करें।

एमओयू हमारी प्रतिबद्धता और सहयोग को मजबूती प्रदान करेगा : शुक्ला

भोपाल। मध्य प्रदेश में शोध और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग एवं पंडित एस. एन. शुक्ल विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के मध्य मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग स्थापित किया गया। कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ पियूष कुमार शुक्ला ने बताया कि यह एमओयू हमारी प्रतिबद्धता और सहयोग को मजबूती प्रदान करेगा और छात्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। आपसी ज्ञान और शोध को साझा करके हम विकास को बढ़ावा दे सकते है। हमें छात्रों को भविष्य की चुनौतियों का निवारण करने और अवसरों को पहचानने के लिए तैयार करना होगा। एमओयू स्थापना के अवसर पर प्रो. सुनील कुमार, कुलपति, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल की गरिमामयी उपस्थिति

छात्राओं के लिए शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता पर विशेष सत्र का आयोजन

मां सुखों को त्याग कर आपका पालन-पोषण करती है सदैव कहना मानें: सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में संत सिद्ध भाऊ के मार्गदर्शन में कक्षा नवीं की छात्राओं के लिए शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता विषय पर आधारित विशेष सत्र आयोजित किया गया। सत्र में सचिव ए.सी. साधवानी, प्राचार्य अमृता मोटवानी सहित शिक्षिकाएं और छात्राएं उपस्थित थी।

सिद्ध भाऊ ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी का जीवन में कुछ बनने का सपना होगा। आप सभी जो भी व्यवसाय चुनें उसमें दक्षता प्राप्त करें। मन को एकाग्रचित्त करने के लिए ध्यान, योग व प्राणायाम करें। शिक्षक दीपक के समान है जो अपनी जीवनी शक्ति जलाकर ज्ञान का प्रकाश देता है। जिस विषय में आपकी रूचि हो उसी विषय को चुनें और उसमें अपना कैरियर बनाएँ। अपने शिक्षकों के प्रति श्रद्धा व विश्वास का भाव रखकर कृतज्ञ रहें। प्रात: काल जल्दी उठने की आदत डालें क्योंकि सुबह के समय हमारा दिमाग स्पंज की भाँति होता है तथा पढ़ा हुआ हमेशा याद रहता है। छात्राओं से कहा कि पशु पक्षियों को दाना पानी देना हमारा कर्तव्य है, इससे हमारी बुद्धि सात्विक होती है। विवाह-समारोह तथा बाहर के खाने का त्याग करें। घर में माँ के हाथ का बना भोजन ग्रहण करें क्योंकि माँ साफ-सफाई व स्नेह भाव के साथ भोजन बनाती है। माँ अपनी नींद व सभी सुखों को त्याग कर, कष्ट सहन करके आपका पालन-पोषण करती है, प्यार से देखभाल करती है इसलिए अपनी माँ का कहना सदैव मानें। उन्हें अपनी सारी बातें बताएँ। अत्यधिक मोबाइल व टी.वी. देखने से समय तो व्यर्थ होता ही है साथ ही आपकी आँखों की रोशनी भी कमजोर होती है। प्रतिदिन समाचार पत्रों का वाचन करें।

विधायक कृष्णा गौर ने 2.68 करोड़ के निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, गोविंदपुरा विधानसभा विधायक कृष्णा गौर ने वार्ड 72 के बिहारी कॉलोनी एवं कृष्णा धाम में महा जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत घर-घर जनसंपर्क कर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धि की जानकारी दी एवं 2.68 करोड़ की लागत से कंक्रीट सड़क एवं नाली निर्माण के लिए भूमि पूजन किया ।

कृष्णा गौर के साथ भानपुर मंडल अध्यक्ष नीलेश गौर, वार्ड 72 के पार्षद जोन 16 के अध्यक्ष विकास पटेल, वार्ड 73 के पार्षद राजू राठौर, भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत, मंडल महामंत्री सुबोध साहू, वार्ड 74 के पार्षद प्रतिनिधि राजू लोधी, विधायक प्रतिनिधि विनोद साहू, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पूनम प्रजापति ने किया जनसंपर्क एवं भूमि पूजन । कार्यक्रम में नगर निगम जोन 16 के जोनल अधिकारी राजेंद्र अहिरवार, कार्यपालन यंत्री सुरेश कुमार राजेश, सिविल इंजीनियर फुरकान खान, स्वास्थ अधिकारी दिनेश पाल, जल कार्य अधिकारी प्रफुल, कौशलेश पाठक, कैलाश गौर, कैलाश सोनी, गायत्री गायकवाड, शिवदयाल मैथिल, रवि लोधी, बी एस मरमट, चन्द्र प्रकाश गौर, राहुल कुचबंदिया, रमा कुशवाहा, संदीप अहिरवार, बलराम रजक, अंकित पटेल, शुभम कोरी, भागवती पटेल, आदिल सिद्दीकी, मुकेश बघेल, अभिषेक माली, मोहन साहू, अक्षय वर ठाकुर, छोटू कुशवाह, रंजीत कुमार, रवि कुशवाहा, सौरभ राठौर, ज्योति विश्वकर्मा, राजकुमारी परिहार, सीता चौरसिया, विमलेश ठाकुर, राधेश्याम शिवहरे, शेखर गौर, पप्पू सूर्यवंशी, लिलाकिशन जोशी एवं अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

PILOT/TRAIN MANAGER
MAKE IN IN
Indian Ra

MAKE IN I
Indian
LIFTING POINT

स म्पा द की य

असुरक्षित पुतिन

रूस की निजी सेना वैगनर ग्रुप ने क्या पुतिन के पराभव की कहानी लिखना शुरू कर दी है? क्या वैगनर प्रमुख यवगेनी प्रिगोजिन पुतिन का तख्ता पलट कर सकते हैं? ऐसे कई सवाल हैं, जो विश्व के राजनीतिक पटल पर गूंजने लगे हैं। असल में वैगनर ग्रुप ने 24 जून को जिस तेवर में रूस के सैन्य नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजाया था, उससे लगने लगा था कि रूस की राजनीति में सुनामी आने ही वाला है। लेकिन यह बवंडर तक ही सीमित रह गया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन इस बवंडर से हालांकि निकल आए हैं, मगर उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल जरूर खड़ा हो गया है।

रूसी तानाशाह पुतिन तो क्या, किसी भी रूसी ने नहीं सोचा होगा कि रूस में सत्तारूढ़ दल के आला नेताओं या सेना के कमांडरों से अलग, बाहर का कोई गुट सत्ता हथियाने के लिए ऐसे क्रेमलिन पर चढ़ाई कर सकता है। रूस के पूर्व प्रधानमंत्री मिखाइल कास्यानोव ने तो साफ-साफ कह दिया, 'रूसी राष्ट्रपति पूतिन के अंत की यह शुरुआत है।' साफ है कि इस प्रकरण से अपने देश के भीतर पूतिन की निजी प्रतिष्ठा पर आंच आई है और यह रूस पर शासन करने के मंसूबे पालने वाले अन्य नेताओं या सैन्य जनरलों को सत्ता हथियाने की साजिश तेज करने को प्रेरित करेगा।

पुतिन ने अपनी सत्ता बचाए रखने के लिए जिस प्राइवेट आर्मी को 2014 में खड़ा किया था, उसका मुखिया अचानक भस्मासुर की तरह बर्ताव करते हुए उनकी ही कुर्सी छीनने पर उतारू हो गया। बहरहाल खबरों के मुताबिक बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको ने प्रिगोजिन से बात कर उन्हें लड़ाई से पीछे हटने को मना लिया, लेकिन हकीकत यही है कि प्रिगोजिन अच्छी तरह समझ रहे थे कि मास्को पर चढ़ाई के दौरान दोनों ओर से भारी गोलाबारी होगी और रूसी सेना किसी भी कीमत पर वैगनर की सेना को परास्त करेगी। पुतिन प्रिगोजिन की जान बख्शने के समझौते का कब तक आदर करेंगे, यह कहना भी मुश्किल है। और प्रिगोजिन कब तक शांत रहेंगे, यह भी नहीं कहा जा सकता।

प्रिगोजिन के अतीत पर एक नजर डालते हैं। संदर्भ बताता है कि डाके के आरोप में 12 साल जेल की सजा काटने के बाद प्रिगोजिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में एक कॉफी-रेस्तरां खोला था। वहां तब व्लादिमीर पुतिन डेप्युटी मेयर थे और उस रेस्तरां में अक्सर जाते थे। तभी से दोनों की दोस्ती की बात स्थापित हुई। दोस्त पुतिन की प्रेरणा से प्रिगोजिन ने बाद में मीडिया बिजनेस में भी हाथ डाला। एक सुरक्षा कंपनी खोली, जिसने देश-विदेश में पांव जमाए। वैगनर कंपनी के सैनिकों और एजेंटों का पुतिन ने नॉन स्टेट ऐक्टर यानी गैर राजकीय गुट की तरह इस्तेमाल किया, जिसमें 2016 के अमेरिकी चुनाव में दखल भी शामिल है। अफ्रीका और पश्चिम एशियाई देशों में भी वैगनर सक्रिय रहा। देखा जाए तो प्रिगोजिन के कोई राजनीतिक विचार नहीं हैं और वह ज्यादा शिक्षित भी नहीं हैं।

स्वाभाविक ही अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए यह चिंता की बात है कि अगर प्रिगोजिन जैसा कोई छुटभैया नेता रूस की सत्ता पर काबिज हो जाता है तो एक बड़ी परमाणु और मिसाइल ताकत के प्रबंधक के तौर पर वह बाकी विश्व नेताओं के साथ कैसा व्यवहार करेगा?

वैगनर की प्राइवेट सेना में करीब 50 हजार सैनिक हैं जिनमें से करीब 25 हजार यूक्रेन से लड़ने भेज दिए गए। वैगनर ने रूसी जेलों में सजायाफ्ता कैदियों को माफी दिलवाने का वादा कर यूक्रेन के भीतर जाने के लिए राजी किया। प्रिगोजिन का आरोप था कि रूसी रक्षा मंत्री सर्जेई शोएगू और सेना प्रमुख वेलेरी जिरासोमोव की वजह से यूक्रेन में लड़ाई के दौरान वैगनर के जवानों को वक्त पर गोला-बारूद और अन्य जरूरी रसद नहीं मिलती थी। इससे करीब दस हजार वैगनर सैनिकों की मौत हो गई। प्रिगोजिन ने वैगनर और सरकारी सेना के सैनिकों के बीच भेदभाव का भी आरोप लगाया। यूक्रेन में रूसी सैन्य कार्रवाई पर भी प्रिगोजिन ने सवाल उठाए। पुतिन का सीधा जिक्र किए बिना प्रिगोजिन ने उन पर निशाना साधा और उन्हें सत्ता से बेदखल करने की परोक्ष चेतावनी भी दी। 24 जून की सुबह को उनके कमांडरों ने यूक्रेन में लड़ रहे 25 हजार सैनिकों का विशाल काफिला लेकर मास्को की ओर कूच कर दिया।

चाहे जिस वजह से भी हो, मगर टैंकों और बख्तरबंद वाहनों पर सवार इस विद्रोही मिलिशिया के काफिले को प्रिगोजिन ने मास्को से 200 किलोमीटर पहले ही रोक दिया, जिससे राष्ट्रपति पूतिन को सांस लेने का मौका जरूर मिल गया। लेकिन यह मामला यहां खत्म हो गया है, ऐसा नहीं जा सकता। इस घटना के बाद से पुतिन खुद को और असुरक्षित महसूस करने लगे होंगे। बहुत संभव है कि वह अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ तनाव और बढ़ाते हुए राष्ट्रवादी भावनाओं की आड़ लेने और इस तरह अपने राजनीतिक अस्तित्व की रक्षा करने का विकल्प चुनें। लेकिन ऐसा हुआ, तो साथी नेताओं और सैन्य कमांडरों के बीच उनके प्रति असंतोष और बढ़ेगा। इससे यूक्रेन के खिलाफ सैन्य हमला कर रहे रूसी सैन्य कमांडरों के मनोबल पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। यूक्रेन के भीतर तैनात रूसी और वैगनर जवानों के बीच आपसी मतभेदों का लाभ भी यूक्रेन की सेना को मिलेगा।

पुतिन की आगे की राह आसान नहीं है। प्रिगोजिन ने भले ही रूसी राष्ट्रपति को सत्ताच्युत करने का विफल प्रयास किया, लेकिन इससे यूक्रेन के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व का मनोबल जरूर बढ़ेगा। यही नहीं पुतिन के भविष्य पर भी सवालिया निशान तो लग ही गया है। असुरक्षा के चलते वो और हिंसक हो सकता है। रूसी सेना के सीरिया पर तुरंत हमले ने उसके और खूंखार होने का एक उदाहरण तो पेश कर ही दिया है।

बूथ कार्यकर्ताओं के कान में मोदी फूकेंगे विजय मंत्र

कौशल किशोर चतुर्वेदी

अमेरिका की राजकीय यात्रा की उपलब्धियों और मिस्त्र का सर्वोच्च सम्मान हासिल कर स्वदेश लौटे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 27 जून 2023 को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में विजयी मुस्कान बिखेरेंगे। शिवराज सरकार का विकास और विष्णु नेतृत्व में मजबूत बूथ की संगठन की देश में श्रेष्ठ उपलब्धि ही मोदी की बूथ कार्यकर्ताओं संग संवाद का मुख्य आधार रहेगी। और मोदी खुद मध्यप्रदेश को एक दिन में दो-दो वंदेभारत ट्रेन की सौगात देकर यही साबित करेंगे कि हृदय प्रदेश उनके भी दिल में बसा है। यह तय है कि भोपाल से इंदौर और रानी कमलापति स्टेशन से जबलपुर चलने वाली यह वंदेभारत ट्रेनें प्रदेश के नागरिकों को अपना मुरीद तो जरूर बनाएंगी, पर कितना यह वक्त बताएगा। मानसूनी बारिश के चलते हालांकि मोदी को अपना शहडोल दौरा और भोपाल का रोड शो रद्द करना पड़ा, लेकिन एक जुलाई की नई तारीख भी इतनी जल्दी मिल जाना भी मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार और भाजपा संगठन की बड़ी उपलब्धि है। इससे यह बात साफ है कि आगामी समय में पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश केंद्रीय? संगठन और मोदी सरकार की प्राथमिकता में है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी बूथ कार्यकर्ताओं संग संवाद में मोदी के साथ रहेंगे।

सरकार की बात करें तो इस विधानसभा चुनाव में लाड़ली बहना योजना उम्मीदों पर खरा उतरेगी, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस बात को लेकर मोदी को पूरी तरह से आश्वस्त कर चुके हैं। इसके अलावा चाहे कर्मचारी-अधिकारी हों या प्रदेश के दूसरे सभी वर्ग, शिवराज ने अपने चुनावी बक्से में सबको खुश करने की पोटलियां बांध रखी हैं, यह भरोसा भी वह मोदी को तो दिला ही चुके होंगे। और कोई बड़ी बात नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओल्ड पेंशन स्कीम के सबसे बड़े टेंशन को खत्म करने का मंत्र भी शिवराज के कान में फूंक जाएं। या फिर बूथ कार्यकर्ताओं के सामने घोषणा ही कर जाएं या फिर एक जुलाई को आकर जनता के सामने ही मन की बात कहें। जिस तरह कांग्रेस के चुनावी पंच नारी सम्मान योजना पर शिवराज ने पूरे बल के साथ आघात किया था और सवा करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में एक हजार रुपए तो डाले ही थे, पर यह राशि तीन हजार रुपए प्रति माह तक बढ़ाने का मास्टर स्ट्रोक भी जड़ दिया था। आगे भी शिवराज विधानसभा चुनाव के लिए बनाए जीत के ब्ल्यूप्रिंट पर अपने फिंगरप्रिंट चस्पा कर और मतदाताओं-नागरिकों को हरसंभव संतुष्टि प्रदान कर ही राहत की सांस लेंगे। यही राहतें शिवराज के उस आत्मविश्वास का आधार है, कि वह नौकरशाहों को नसीहत दे देते हैं कि चिंता मत करो और काम करते रहो क्योंकि चार महीने बाद भी सरकार में हम ही रहेंगे।

हालांकि प्रधानमंत्री के भोपाल आगमन का संगठनात्मक उद्देश्य बूथ कार्यकर्ताओं से डिजिटली संवाद कर यह भरोसा दिलाना है कि मध्यप्रदेश का संगठन सर्वश्रेष्ठ है। प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा का दावा है कि देश के राजनैतिक इतिहास में यह इस तरह का पहला कार्यक्रम है। मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के लिए 27 जून का दिन गौरव और सौभाग्य का दिन है। संगठन की सबसे छोटी इकाई बूथ को प्रधानमंत्री मोदी मेरा बूथ, सबसे मजबूत अभियान के तहत देश भर के 543 लोकसभाओं से 10 लाख एवं मध्यप्रदेश के 64100 बूथों के करोड़ों कार्यकर्ताओं को मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में डिजिटली मार्गदर्शन देंगे। देश के विभिन्न प्रदेशों की विधानसभा क्षेत्रों से 3 हजार चयनित कार्यकर्ता जिन्होंने बूथ सशक्तिकरण अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है वे भोपाल पहुंचे हैं। इनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीधा संवाद करेंगे।

संगठन के लिए दु:ख की बात यह है कि कार्यकर्ता चाहते थे कि रोड शो के माध्यम से ''मध्यप्रदेश के मन में मोदी'' कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया जाए। लेकिन मौसम की प्रतिकूलता के कारण और मौसम विभाग द्वारा आगामी दो दिन में भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए प्रधानमंत्री के रोड शो का कार्यक्रम निरस्त करना पड़ा। संगठन के लिए यह खास सौगात है कि उनके नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के मुताबिक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जिन्होंने संगठन को एक नए स्वरूप में मजबूती देने का काम किया है, हमारा नेतृत्व इतना सशक्त और ताकतवर है कि आज हमारे नेतृत्व के साथ दुनिया का और देश का विश्वास है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश लगातार विकास का मॉडल बना है। गरीब कल्याण की योजनाओं और संगठन की मजबूती के साथ 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' संकल्प के आधार पर 2023 में भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश में जीत का इतिहास बनाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर वंदे मध्यप्रदेश का संदेश देंगे, तो 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत' अभियान के तहत देश भर के बूथ विस्तारकों से डिजिटली संवाद कर जीत का भरोसा जगाएंगे। वैसे यह बात सौ फीसदी सच है कि यह विधानसभा चुनाव मजबूत बूथ, यूथ? संग विकास के दम पर ही अपना फैसला सुनाने वाले हैं। इसमें विकास की सहभागिता उसी तरह रहेगी जैसे डबल इंजन की सरकार का हवाला देकर भाजपा मतदाताओं को रिझाती है। बात इतनी ही है कि बूथ कार्यकर्ताओं के कान में मोदी संगठन में सर्वश्रेष्ठ मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से विजय मंत्र फूंकने वाले हैं।

डेढ़ दशक में जन-सहयोग से विकसित राज्य के रूप में उभरा मध्यप्रदेश

देश के हृदय स्थल मध्यप्रदेश ने पिछले डेढ़ दशक में विकास के नये आयाम स्थापित कर विकसित राज्य की पहचान बना ली है। मध्यप्रदेश की सुशासन और विकास रिपोर्ट-2022 के अनुसार राज्य में आए बदलाव से मध्यप्रदेश बीमारू से विकसित प्रदेशों की पंक्ति में उदाहरण बन कर खड़ा हुआ है। इस महती उपलब्धि में प्रदेश में जन-भागीदारी से विकास के मॉडल ने अहम भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार ने मध्यप्रदेश को अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय बना दिया है। इस अरसे में सड़क, बिजली, पानी, कृषि, पर्यटन, जल-संवर्धन, सिंचाई, निवेश, स्व-रोजगार और अधो-संरचना विकास के साथ उन सभी पहलुओं पर सुविचारित एवं सर्वांगीण विकास की नवीन गाथा लिखी गई जो जन-कल्याण के साथ विकास के लिये जरूरी हैं।

बेहतर वित्तीय प्रबंधन और चौतरफा विकास से आज प्रदेश की विकास दर 19.7 प्रतिशत है, जो देश में सर्वाधिक है। देश की अर्थ-व्यवस्था में मध्यप्रदेश 4.6 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। सकल घरेलू उत्पाद में बीते दशक में 200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मध्यप्रदेश की आर्थिक वृद्धि दर निरंतर बढ़ रही है। वर्ष 2001-02 में 4.43 प्रतिशत की दर आज बढ़ कर 16.43 प्रतिशत हो गई है प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 71 हजार 594 करोड़ रूपये से बढ़ कर 13 लाख 22 हजार 821 रूपये हो गया है। वर्ष 2001-02 में प्रति व्यक्ति आय 11 हजार 718 रूपये थी, जो वर्ष 2022-23 में बढ़ कर एक लाख 40 हजार 583 रूपये हो गई है। राज्य की जीएसडीपी की वृद्धि दर विगत एक दशक में राष्ट्रीय जीडीपी वृद्धि दर से अधिक रही है।

विकास प्रक्रिया में अधो-संरचना के महत्व के मद्देनजर मध्यप्रदेश में निरंतर अधो-संरचना विकास हो रहा है। अधो-संरचना बजट जो वर्ष 2002-03 में 3873 करोड़ रूपए था, वह वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 56 हजार 256 करोड़ रुपए हो गया है। एक समय था जब बिजली आती कम थी और जाती ज्यादा थी। आज प्रदेश बिजली क्षेत्र में आत्म-निर्भर है और 24 घंटे बिजली की उपलब्धता है। वर्ष 2003 में ऊर्जा क्षमता 5173 मेगावाट थी, जो बढ़ कर 28 हजार मेगावाट हो गई है।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश अग्रणी है। ओंकारेश्वर में लगभग 3500 करोड़ के निवेश से 600 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर सोलर पॉवर प्लांट का कार्य प्रारंभ हो गया है। किसानों के खेतों में 50 हजार सोलर पंपों की स्थापना का लक्ष्य है। विश्वधरोहर साँची बहुत जल्द सोलर सिटी के रूप में विकसित होकर देश में अपनी अलग पहचान बनायेगा।

अच्छी सड़कें विकास की धुरी होती है। एक समय था, तब यह पता ही नहीं चलता था कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क है। अब गाँव-गाँव, शहर-शहर अच्छी गुणवत्तायुक्त सड़कों का जाल बिछाया गया हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वर्ष 2001-02 में 44 हजार किलोमीटर सड़कें थी, अब 4 लाख 10 हजार किलोमीटर सड़कें बन गई हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में लगभग 1500 किलोमीटर लंबाई के 40 हजार करोड़ की लागत के 35 कार्य स्वीकृत हैं। अटल, नर्मदा और विंध्य प्रगति पथ के साथ मालवा, बुंदेलखंड और मध्य विकास पथ निर्मित किए जा रहे हैं।

प्रदेश में सभी रेलवे क्रॉसिंग समाप्त करने के लिए 105 रेलवे ओवर ब्रिज के साथ 334 पुलों का निर्माण हो रहा है। साथ ही 86 हजार करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं के कार्य चल रहे हैं। वर्ष 2009 से 2014 के बीच जहाँ प्रदेश को औसतन 632 करोड़ रूपए का रेलवे बजट मिलता था, वहीं वर्ष 2022-23 में 13 हजार 607 करोड़ का रेलवे बजट प्रावधान मिला है, जो इक्कीस गुना अधिक है। अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना में प्रदेश के 80 रेलवे स्टेशन विश्व स्तरीय बनाए जाएंगे। अत्याधुनिक रानी कमलापति स्टेशन देश में एक मॉडल बना है। एक वंदे भारत ट्रेन प्रारंभ हो चुकी है और आज प्रधानमंत्री श्री मोदी मध्यप्रदेश को 2 और वंदे भारत ट्रेन की सौगात देने वाले हैं। प्रदेश में हवाई सेवाओं का विस्तार भी निरंतर हो रहा है।

प्रदेश में कृषि को लाभ का धंधा बनाना के लिए सिंचाई क्षमताओं का निरंतर विकास किया जा रहा है। वर्ष 2003 में सिंचाई क्षमता केवल 7 लाख 68 हजार हेक्टेयर थी, जो वर्ष 2022 में बढ़ कर 45 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गई है। वर्ष 2025 तक सिंचाई क्षमता को बढ़ा कर 65 लाख हेक्टेयर किये जाने पर भी तेजी से काम किया जा रहा है। हर घर जल से नल योजना पर तेज गति से कार्य हो रहा है, अभी तक लगभग 50त्र घरों तक नल से जल पहुँच चुका है। आजादी के अमृत काल में प्रदेश में अब तक 5936 से अधिक अमृत सरोवर का निर्माण किया जा चुका है। केन-बेतवा लिंक परियोजना के प्रथम चरण में बांध, लिंक नहर तथा पॉवर हाउस का निर्माण कार्य इस वर्ष प्रारंभ होगा। अटल भू-जल योजना में भी लगभग 700 ग्राम पंचायतों में वॉटर सिक्युरिटी प्लान बनाए गए हैं।

अधो-संरचना विकास और बेहतर वित्त प्रबंधन के साथ कृषि प्रधान होने की वजह से प्रदेश में तेज गति से कृषि विकास और किसान-कल्याण के कार्य भी किए जा रहे हैं। लगातार 7 बार प्रतिष्ठित कृषि कर्मण अवार्ड प्राप्त करने वाले मध्यप्रदेश ने गेहूँ उपार्जन में पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ दिया है। प्रदेश का सोने जैसे दानों वाला गेहूँ अमेरिका सहित अनेक देशों में निर्यात होता है। अब इसके निर्यात के लिए प्रयास बढ़ाए जा रहे हैं। प्रदेश में एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल भी बनाई गई है। कृषि विकास दर जो वर्ष 2002-03 में 03 प्रतिशत थी, वह वर्ष 2020-21 में बढ़ कर 18.89 प्रतिशत हो गई है। खेती और एलाइड सेक्टर का बजट भी 600 करोड़ से बढ़ कर 53 हजार 964 करोड़ हो गया। खाद्य उत्पादन भी इस अवधि में 159 लाख मीट्रिक टन से बढ़ कर 619 लाख मीट्रिक टन हो गया है।

उद्यानिकी फसलों का रकबा 4 लाख 67 हजार हेक्टेयर से बढ़ कर 25 लाख हेक्टेयर हो गया है। फसल उत्पादन 224 लाख मीट्रिक टन से बढ़ कर 725 लाख मीट्रिक टन से अधिक हो गया है। फसल उत्पादकता 1195 किलोग्राम से बढ़ कर 2421 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गई है। किसान-कल्याण के ध्येय से प्रदेश में गत 3 वर्षों में फसलों की नुकसानी पर 4000 करोड़ से अधिक की राहत राशि वितरित की गई है। प्रदेश के 11 लाख से अधिक डिफाल्टर किसानों का 2123 करोड़ का ब्याज माफ करने के लिए मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना प्रारंभ की गई है। पिछले 3 वर्षों में किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं में 2 लाख 69 हजार 686 करोड़ रुपये से अधिक के हितलाभ वितरण किए गए हैं। फसल क्षति प्रतिपूर्ति दरों में भी कई गुना वृद्धि की गई है।

अधो-संरचना, खेती-किसानी तथा किसान-कल्याण के क्षेत्र में प्रदेश की प्रगति और विकास की यह कहानी तो एक बानगी है। प्रदेश में पिछला डेढ़ दशक हर क्षेत्र में प्रगति, विकास और लोगों की तरक्की-खुशहाली का गवाह है।

राकांपा में मिले दायित्व से अनमने से नजर आते अजित

-अरुण पटेल

एक ओर तो जहां विभिन्न चुनावों में महाविकास अघाड़ी मराठी मानुष के समर्थन से एक के बाद एक चुनाव जीत रही है तो वहीं दूसरी ओर एकनाथ शिन्दे और भाजपा नेता देवेन्द्र फणनवीस के नेतृत्व वाली सरकार अपना कोई प्रभाव मतदाताओं पर नहीं छोड़ पा रही है। यह संकेत इस बात से मिलता है कि भाजपा अपनी कुछ परम्परागत सीटों को भी उपचुनावों में बचा नहीं पाई। वहीं दूसरी ओर महाविकास अघाड़ी गठबंधन मे फेवीकोल का मजबूत जोड़ लगाने में माहिर राकांपा अध्यक्ष शरद पवार की अपनी पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पहले पार्टी के एक धड़े के अजित पवार के नेतृत्व में टूट कर भाजपा के साथ जाने की अटकलें लगीं तो शरद पवार ने स्वयं का त्यागपत्र देकर एक मास्टर स्ट्रोक में ऐसी चाहत रखने वाले अपनी पार्टी या भाजपा-शिन्दे गुट के लोगों के मंसूबों पर पानी फेर दिया और अपनी मजबूत पकड़ का सबको अहसास करा दिया।

महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में रह-रह कर इस बात की चर्चा होती है कि राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार कुछ अनमने हैं और इशारों में इसका इजहार करने का मौका भी वे नहीं छोड़ते हैं। शरद पवार ने एनसीपी में उसके स्थापना दिवस पर दो कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का ऐलान किया जिसमें सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल शामिल थे। सुप्रिया सुले को महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, महिला, युवा व लोकसभा में समन्वय की जिम्मेदारी दी गई जबकि प्रफुल्ल पटेल के पास मध्यप्रदेश, राजस्थान, गोवा की जिम्मेदारी आई।

राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं के अनुसार शरद पवार ने सुप्रिया सुले को महाराष्ट्र का प्रभार देकर कहीं भाई-बहन के बीच मनमुटाव को हवा तो नहीं दे दी। क्योंकि छोटी बहन राज्य की प्रभारी होंगी तो बड़े भाई नेता प्रतिपक्ष रहेंगे। वैसे अजित पवार की रुचि संगठन में काम करने में अधिक है क्योंकि महाराष्ट्र में पार्टी का मजबूत संगठन उन्होंने ही खड़ा किया है। यदि शरद पवार के पास महाराष्ट्र का प्रभार होता तो शायद ऐसे हालात नहीं बनते जिनकी इन दिनों चर्चा हो रही है।

अजित पवार ने सार्वजनिक तौर पर पार्टी के स्थापना दिवस के समारोह में कहा कि उन्हें महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी से मुक्त किया जाए और उन्हें संगठन में कोई जिम्मेदारी सौंपी जाये। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि मैं विपक्ष के नेता के रुप में सख्त व्यवहार नहीं करता हूं। मुझे विपक्ष के नेता के रुप में काम करने में कभी दिलचस्पी नहीं थी लेकिन पार्टी विधायकों की मांग पर यह भूमिका स्वीकार की। अब वह इस पद को छोड़कर संगठन में काम करने के इच्छुक हैं जिस पर निर्णय पार्टी नेतृत्व को करना है।

अजित पवार की मांग पर जब सवाल उठने लगे तब सुप्रिया सुले का कहना था कि वह बहन के तौर पर चाहती हैं कि उनके भाई की सभी इच्छाएं पूरी हों। बहन के रुप में तो उन्होंने अपनी बात रख दी लेकिन प्रभारी के तौर पर वह क्या चाहती हैं यह अभी साफ होना बाकी है, क्योंकि उन्होंने इससे अधिक कुछ नहीं कहा।

अजित पवार की नाराजगी की खबरों को लेकर हालांकि भाई-बहन दोनों ने ही स्थिति साफ कर दी लेकिन राजनीति में इतना करने मात्र से अनुमानों की घोड़े थम नहीं जाते हैं। लगता है अजित पवार नेता प्रतिपक्ष की जगह पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनना चाहते हैं और यह मांग वह सीधे-सीधे नहीं कर सकते क्योंकि इस पद पर उनके ही अपने आदमी जयंत पाटिल विराजमान हैं। इस बीच राकांपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री छगन भुजबल ने पेंच को यह कहते हुए और उलझा दिया कि उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाए। छगन भुजबल शिवसेना से राकांपा में आये और उसके बड़े नेता बन गये। लेकिन उन्हें एक बार उपमुख्यमंत्री का पद इसलिए छोड़ना पड़ा क्योंकि अजित पवार इस पद पर अपनी ताजपोशी चाहते थे। कहीं भुजबल ने अचानक यह मांग रखकर अजित पवार से अपना पुराना हिसाब बराबर करने की कोशिश तो नहीं की है।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग का बढ़ता ख़तरा

-राकेश दुबे

यूएन ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम (यूएनओडीसी) की वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट-2022 मेरे सामने है। इस रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में दुनिया भर में 15-64 आयु वर्ग के लगभग 28.40 करोड़ लोग नशीली दवाओं का उपयोग कर रहे थे, जो पिछले दशक की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। इसी रिपोर्ट के अनुसार, कई देशों में इनका उपयोग पिछली पीढ़ी की तुलना में बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में 1.12 करोड़ लोग ड्रग्स के इंजेक्शन का उपयोग कर रहे थे। इस संख्या का लगभग आधा हिस्सा हेपेटाइटिस सी से पीड़ित था, 14 लाख एचआईवी से ग्रस्त थे, और 12 लाख ऐसे हैं जो दोनों समस्याओं से पीड़ित थे।

इसके साथ यह बात भी पुष्ट हो रही है कि ड्रग्स का उपयोग करने वाले लोगों के लिए साक्ष्य-आधारित, स्वैच्छिक सेवाओं को बढ़ावा देना; नशीली दवाओं के उपयोग के विकारों, उपलब्ध उपचारों, शीघ्र हस्तक्षेप और सहायता के महत्व के बारे में शिक्षित करना; समुदाय-आधारित उपचार और सेवाओं के लिए कारावास के विकल्पों का समर्थन; भाषा और व्यवहार को बढ़ावा देकर नशे से जुड़े कलंक और भेदभाव का मुकाबला करना शामिल है।

भारत की ही बात लें, साल 2018 के दौरान एम्स नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर गाजियाबाद द्वारा आयोजित सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारत में मादक पदार्थों के उपयोग और रुझान के अनुसार, 10-17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों और किशोरों में शराब, भांग, अफीम, इनहेलेंट, कोकीन आदि दवाओं का सेवन 6.06 प्रतिशत है जबकि 18 से 75 वर्ष की आयु के 24.71 प्रतिशत वयस्क इसमें लिप्त पाए गए। दरअसल नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और उन्हें इनके दलदल से बाहर निकालने में मदद करने की जिम्मेदारी हम सब की है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीडीडीआर) के अनुसार एक योजना लागू है, जिसके अंतर्गत निवारक शिक्षा और जागरूकता सृजन, क्षमता निर्माण, कौशल विकास के लिए राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। नशीली दवाओं के व्यसन से पीड़ितों के लिए विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण और आजीविका में सहयोग हेतु 2020-21 के दौरान एनएपीडीडीआर के तहत 285590 लाभार्थी को इसका लाभ मिला था।

इसी तरह, नशा मुक्त भारत अभियान अगस्त 2020 में शुरू हुआ था, जिसके तहत महिलाओं, बच्चों, शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक संगठनों आदि हितधारकों की भागीदारी

पर जोर दिया गया है, जो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मादक पदार्थों के उपयोग से प्रभावित हो सकते हैं। अब तक जमीनी स्तर पर की गई विभिन्न गतिविधियों के जरिये 12 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा जा चुका है। चार हजार से अधिक युवा मंडल, नेहरू युवा केंद्र (एनवाईके) और एनएसएस स्वयंसेवक भी नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़े बताए हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों और आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, महिला मंडलों और महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से एक बड़े समुदाय तक पहुंचने में 2.05 करोड़ से अधिक महिलाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण है। फिर भी नशा करने वाले निरंतर बढ रहे हैं।

राज्यों की अपनी बात है, जैसे हरियाणा में केवल लाइसेंस प्राप्त करके ही नशामुक्ति केन्द्रों का संचालन करने के कानूनी प्रावधान लागू हैं, अन्य राज्यों के अपने राग है। राज्य और केंद्र मेडिकल कॉलेजों में स्थापित नशा मुक्ति एवं परामर्श केन्द्रों के माध्यम से भी इस बीमारी के खात्मे के लिए कदम उठा रही हैं। शराबखोरी और मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राज्य पुरस्कार योजना शुरू की गयी थी। फिर भी रोकथाम प्रभावी नहीं दिखती है।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग की चुनौती से निपटने और पीड़ितों के पुनर्वास के लिए बहुत कुछ किया जा सकता है। हालांकि, इस समस्या के हर पहलू से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक संसाधनों के बारे में आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए, लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से रोकने और उन्हें बचाने के लिए सभी हितधारकों को और अधिक प्रेरित करने की आवश्यकता है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को अवैध दवा आपूर्ति शृंखला, मादक द्रव्य आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए, विशेष रूप से बड़े शहरों और सीमावर्ती क्षेत्रों में नशा तस्करी रोकने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के लिए पुलिस बलों सहित केंद्र और राज्य सरकारों की एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय महत्वपूर्ण है।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे की जांच में समाज के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका है। समाज को इस प्रकार के मादक पदार्थों और आपूर्तिकर्ताओं का बहिष्कार करना चाहिए। एक सामाजिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाना चाहिए जहां नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों का उचित पुनर्वास किया जाना चाहिए। माता-पिता को भी सलाह दी जानी चाहिए कि वे अपने बच्चों को कैसे व नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे से दूर रखें। वहीं जन जागरूकता के लिए व्यापक डिजिटल सामग्री चाहिए। पाठ्य पुस्तकों और फिल्मों में संबंधित अध्यायों के साथ-साथ जनता को नशीली दवाओं के जाल में पड़ने के विरुद्ध जागरूक कर सकते हैं। नशीली दवाओं के दुरुपयोग करने वालों को सामाजिक रूप से अलग-थलग करने के बजाय, उनके प्रति सहानुभूति रखें और मदद करें ताकि वे अपनी गलतियों का अहसास कर सामान्य जीवन में लौट सकें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

मुख्यमंत्री चौहान ने दीं कई सौगातें, लोकतंत्र सेनानियों ने देश की आजादी की तीसरी लड़ाई लड़ी

लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि 25 से बढ़कर 30 हजार रुपए प्रतिमाह होगी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आपातकाल में भी लोकतंत्र सेनानियों ने भारत माता का जयघोष किया। सत्ताधीशों ने अपने आप को सत्ता में बनाए रखने के लिए लोकतंत्र का गला घोंटा गया, परन्तु लोकतंत्र सेनानियों ने बिना परिणामों की परवाह किए यातनाएँ और कष्ट सहे। उन्होंने देश की आजादी की तीसरी लड़ाई लड़ी। इस संघर्ष का सम्मान हमारा कर्तव्य और धर्म है। मुख्यमंत्री चौहान प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों को प्रदान की जा रही 25 हजार रूपए की सम्मान निधि को बढ़ाकर 30 हजार रूपए प्रतिमाह किया जाएगा। जो लोकतंत्र सेनानी एक माह से कम अवधि के लिए बंदी रहे हैं, उनकी सम्मान निधि 8 हजार रूपए से बढ़ाकर 10 हजार रूपए की जाएगी। दिवंगतों के परिवारों को दी जाने वाली निधि भी 5 हजार से बढ़ाकर 8 हजार रूपए की जाएगी। लोकतंत्र सेनानियों को दिल्ली प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश भवन में ठहरने की सुविधा होगी। जिलों के विश्राम गृह और रेस्ट हाऊस में वे 2 दिन तक 50 प्रतिशत शुल्क देकर रह सकेंगे। साथ ही सभी तरह की बीमारियों का सम्पूर्ण इलाज राज्य शासन द्वारा कराया जाएगा। शासकीय कार्यालयों में उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार हो, इसके लिए विशेष निर्देश जारी किए जा रहे हैं। लोकतंत्र सेनानियों को राज्य शासन की ओर से ताम्रपत्र प्रदान किए गए थे, जिन्हें ताम्रपत्र मिलना शेष हैं उन्हें भी तत्काल ताम्रपत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। लोकतंत्र सेनानी किसी भी तरह के कष्ट और परेशानी में अपने आप को अकेला न समझें, राज्य सरकार उनके साथ है।

लोकतंत्र बचाने की जिम्मेदारी हम सबकी: मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि आपातकाल में कई परिवार तबाह हुए। यह वह दौर था जब कोई अपील- कोई वकील- कोई दलील नहीं सुनी जाती थी। लोकतंत्र सेनानियों ने एक सिद्धांत, विचारधारा

और संगठन के लिए यातनाएं सहीं, यह उस विचार का सम्मान था, जिसने लोकतंत्र को बचाया। आज इसी विचारधारा का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की शान को बढ़ाया है। वर्तमान में भी लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। जिनकी लोकतंत्र में आस्था नहीं है, जिनका भारतीय संस्कृति- मूल्यों और परम्पराओं से कोई लेना-देना नहीं है, उनसे सतर्क रहना जरूरी है।

मुख्यमंत्री चौहान ने अपने संबोधन में बाबा नागार्जुन और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपयी जी की कविताओं की पंक्तियों का उल्लेख भी किया।

देश की धरोहर हैं लोकतंत्र सेनानी: सामान्य प्रशासन मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि आपातकाल की स्थिति में लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष से बदलाव आया था। मुख्यमंत्री चौहान ने ही मीसाबंदियों को सम्मान देने की पहल की। पूर्व केन्द्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने कहा कि आपातकाल में लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिवारों का मनोबल तोड़ने के लिए जो भी किया जा सकता था किया गया। सेनानियों के साथ-साथ उनके परिवारों ने जो परेशानियां झेलीं उसके लिए परिवार के सदस्य प्रशंसा और अभिनंदन के पात्र हैं। राष्ट्र को अधिक सबल बनाना हमारा संकल्प है और हम आज भी इस दिशा में कार्यरत हैं।

पूर्व केंन्द्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया ने कहा कि आपातकाल द्वारा लोकतंत्र को समाप्त करने की साजिश को ध्वस्त करने के लिए लगभग डेढ़ लाख लोगों ने आंदोलन किए और गिरफ्तारियां दीं। वह सत्य का सत्ता से संघर्ष था। लोकतंत्र को सार्थक करने के लिए बड़ी संख्या में लोग प्राण-प्रण से जुटे रहे। राज्य सभा सदस्य कैलाश सोनी ने कहा कि लोकतंत्र सेनानी देश की धरोहर हैं। जिन्होंने देश और प्रजातंत्र की पुर्नस्थापना के लिए कार्य किया। मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष तपन भौमिक उपस्थित थे। वरिष्ठ अधिवक्ता भरत चतुर्वेदी ने आभार माना। संचालन सुरेंद्र द्विवेदी ने किया।

पुस्तक मैं मीसाबंदी-आपातकाल व्यथा-कथा- 19 महीने का किया विमोचन: मुख्यमंत्री चौहान ने निवास परिसर में हुए सम्मेलन का दीप जला कर शुभारंभ किया। वंदे-मातरम गान तथा माँ भारती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों का अंगवस्त्रम पहना कर स्वागत किया तथा उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट किए। मुख्यमंत्री ने आपातकाल की कटु स्मृतियों पर रमेश गुप्ता की पुस्तक मैं मीसाबंदी-आपातकाल व्यथा-कथा- 19 महीने का विमोचन किया।

ग्वालियर जिले में लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह

ग्वालियर जिले में लोकतंत्र सेनानी (मीसाबंदी) के सम्मान समारोह में संबोधित किया। साथ में प्रसिद्ध साहित्यकार एवं मीसाबंदी जगदीश तोमर, सांसद विवेक शेजवलकर, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित अभय चौधरी, कौशल शर्मा, मोहन विटवेकर, कमल माखीजानी, गिरीश इंदापुरकर एवं धर्मेंद्र राणा उपस्थित रहे।

नड्डा ने संपर्क से समर्थन अभियान में पद्मश्री भूरी बाई और उद्योगपति विजय अग्रवाल से की भेंट

भोपाल। मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी का विशेष संपर्क अभियान जारी है। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी ने भोपाल प्रवास के दौरान संपर्क से समर्थन अभियान के अंतर्गत पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कलाकार श्रीमती भूरी बाई और उद्योगपति श्री विजय अग्रवाल से भेंट की और केन्द्र सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के संपर्क से समर्थन अभियान के तहत पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कलाकार श्रीमती भूरी बाई और उद्योगपति श्री विजय अग्रवाल के निवास पहुंचे। श्री नड्डा ने पदमश्री श्रीमती भूरीबाई एवं श्री विजय अग्रवाल का शॉल ओढाकर और श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। उन्होंनें केन्द्र सरकार की उपलब्धियों पर केन्द्रित साहित्य भेंटकर श्रीमती भूरीबाई एवं श्री विजय अग्रवाल से सरकार के 9 वर्ष की उपलब्धियों पर चर्चा की। पद्मश्री भूरीबाई ने राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष को उनके द्वारा तैयार की गयी कलाकृतियां भेंट की। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नड्डा के साथ प्रदेश प्रभारी श्री मुरलीधर राव, मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा उपस्थित थे।

नेता प्रतिपक्ष डॉ.सिंह ने पीएम से महालोक की जानकारी दने के लिए समय मांगा

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने प्रधानमंत्री के कल 27 जून को भोपाल आगमन के पूर्व एक पत्र लिखकर उज्जैन स्थित महाकालेश्वर परिसर में महालोक में स्थापित सप्त ॠषियों की मूर्तियों के मामूली हवा के झोके में टूट कर गिर जाने को लेकर जानकारी देने के लिए समय मांगा है। उन्होंने एक मंत्री की जमीन को मास्टर प्लान में शामिल करने पर भी सवाल उठाये है। साथ ही व्यक्तिगत रूप से मिलकर इस संबंध में विस्तृत जानकारी देने के लिए समय मांगा है।

नर्सिंग होम, अस्पतालों के लायसेंस शुल्क का निर्धारण नए आदेश के तहत करें : सिंह

50 बेड तक के नर्सिंग होम के वार्षिक लायसेंस शुल्क की दर 5 हजार रूपये

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने नगरपालिक निगम भोपाल के आयुक्त को नर्सिंग होम/ अस्पतालों को स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत वर्गीकृत कर उनके लायसेंस शुल्क का निर्धारण नए आदेश के अनुसार करने के निर्देश दिए हैं। सिंह ने बताया है कि नए निर्देश मध्यप्रदेश नर्सिंग होम एसोसिएशन भोपाल के पदाधिकारियों के साथ चर्चा एवं सहमति के बाद जारी किये गये हैं। मंत्री सिंह ने बताया कि 50 बेड तक के नर्सिंग होम के वार्षिक लायसेंस शुल्क की दर 5 हजार रूपये, 50 से 150 बेड तक के लिये 10 हजार रूपये और 150 से अधिक बेड के नर्सिंग होम/अस्पताल के लिये 25 हजार रूपये वार्षिक शुल्क निर्धारित किया गया है। नगर निगम आयुक्त भोपाल को नगरपालिक निगम भोपाल के 1 अगस्त 2022 के आदेश में नए आदेशानुसार संसोधन कर नगरीय विकास एवं आवास विभाग को अवगत कराने के निर्देश दिये गये हैं।

साथ ही नर्सिंग होम्स के नियमितिकरण के संबंध में भोपाल विकास योजना, 2005 में राजपत्र 28 सितम्बर 2018 द्वारा किये गये उपांतरण में अधिभोग परिवर्तन शुल्क लिये जाने के बाद भी पुनः एक बड़ी राशि वार्षिक परिवर्तन शुल्क के रूप में नर्सिंग होम संचालकों को सम्पत्ति कर एवं अन्य करों के साथ देनी होती है, जिसको कम किया जाये। इस संबंध में नगर पालिका निगम स्तर से आगामी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।

एम्स में हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई

भोपाल। एम्स में एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्रो. (डॉ.) अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक, एम्स, भोपाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर कर्नल (डॉ.) अजीत कुमार, उप निदेशक (प्रशासन), डॉ. अश्विनि टंडन, सह डीन (अकादमिक) सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी शामिल हुए । प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने इस अवसर पर अपने संबोधन में हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं की जानकारी होने तथा व्यावहारिक रूप में प्रचलित हिंदी भाषा के सरल शब्दों को अपनाने तथा आवश्यकतानुसार हिंदी के कठिन एवं अप्रचलित शब्दों के स्थान पर अंग्रेजी शब्दों को भी देवनागरी लिपि में लिप्यंतरण कर प्रयोग करने की सलाह दी ।

कार्यपालक निदेशक द्वारा कार्यशाला के विधिवत शुभारंभ की घोषणा के साथ ही कार्यशाला का प्रथम सत्र प्रारंभ हुआ । जिसमें व्याख्याता के रूप में श्रीमती पूनम साहू, उप प्रबंधक, बी.एच.ई.एल. द्वारा प्रतिभागियों को राजभाषा नियमों एवं हिंदी टिप्पण, मसौदा लेखन एवं पत्र लेखन विषय पर जानकारी दी गई । कार्यशाला के द्वितीय सत्र में श्री हेमंत जायसवाल, सलाहकार (राजभाषा) एवं श्री अमन कुमार मेहता, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी द्वारा हिंदी टिप्पण, मसौदा एवं पत्र लेखन पर व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। संस्थान के राजभाषा प्रकोष्ठ के सौजन्य से आयोजित की गई इस सफल हिंदी कार्यशाला के दोनों सत्रों मे संस्थान के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित लगभग 110 प्रतिभागी कार्यशाला से लाभान्वित हुए ।

भेल सभागार में हुआ तमिल संगम का वार्षिकोत्सव समारोह

भोपाल। भेल सभागार में तमिल संगम भोपाल का 49वां वार्षिकोत्सव समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इसमें मुख्य अतिथि के रूप में एस चंद्रशेखर अपर महाप्रबंधक भेल भोपाल के शंकर /एम रवि/ स्वामीवेल एस बालामुरूगन/ स्वामी दुरै /सुब्रमण्यम जी उपस्थित थे इस कार्यक्रम में समाज के बच्चों द्वारा तमिलनाडु प्रदेश की सांस्कृतिक कला भरतनाट्यम पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया सभी बच्चों को सर्टिफिकेट और ट्रॉफी देकर सम्मान किया गया

राज्य स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम 30 जून को खरगोन में

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में खरगोन में 30 जून को महिला सम्मेलन और राज्य स्तरीय रोजगार दिवस होगा। मुख्यमंत्री चौहान आगर-मालवा, राजगढ़, छतरपुर एवं सीधी जिले के हितग्राहियों से वर्चुअल संवाद भी करेंगे। कार्यक्रम का सोशल, इलेक्ट्रानिक और डिजिटल मीडिया से सीधा प्रसारण होगा। सचिव एमएसएमई पी. नरहरि ने बताया कि जिला मुख्यालयों में कलेक्टर के नेतृत्व में जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम में विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं में लाभान्वित हितग्राहियों, उद्योग संघ के पदाधिकारियों और जन-प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जायेगा।

जल्द घोषित और लागू होगी मध्यप्रदेश की आईटी पॉलिसी: सखलेचा

भोपाल । मध्यप्रदेश की आईटी - आईटीईएस और ईएसडीएम नीति शीघ्र ही घोषित और लागू की जाएगी। यह जानकारी विज्ञान एवम प्रौद्योगिकी तथा एमएसएमई मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने दी है। उन्होंने नीति के प्रारूप की समीक्षा भी की।

मंत्री श्री सखलेचा ने बताया कि इस नीति का लक्ष्य सभी कारकों का समावेश कर आईटी क्षेत्र की वृद्धि और विकास के लिए एक जीवंत तथा समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाना है । निवेश, रोजगार, नवाचार और उद्योगों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करने पर नीति में विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने बताया कि 2023 के लिए मध्य प्रदेश की आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम नीति उद्योग जगत से विचार-विमर्श के विभिन्न सत्रों और विभिन्न राज्य की नीतियों की बेंचमार्किंग के पश्चात बनाई गई है। नीति का प्रमुख उद्देश्य प्रोत्साहन प्रदान कर और नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाकर आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करना है। यह नीति व्यवसाय-अनुकूल वातावरण बनाने और उद्योगों के विकास के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा प्रदान करने पर केंद्रित है।मंत्री श्री सखलेचा ने बताया कि नीति का लक्ष्य अगले 5 वर्षों में मध्यप्रदेश में आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम क्षेत्र में 10 हजार करोड़ रूपए का निवेश आकर्षित कर 2 लाख नई नौकरियां सृजित करना है। इसमें 10 मिलियन वर्गफुट आईटी, ईएसडीएम इंफ्रास्ट्रक्चर स्पेस का निर्माण, राज्य भर में अत्याधुनिक आईटी पार्क, भवन, प्लग एंड प्ले स्पेस को आईटी,आईटीईएस, ईएसडीएम के लिए प्लग एंड प्ले और रेडी टू बिल्ड फ़ैक्टरियां शामिल कर बुनियादी ढांचा खड़ा करने पर जोर दिया गया है।

राज्य में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा देना भी नीति का अहम हिस्सा है।उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट नीति नवीन विशेषताएं प्रस्तुत करती है, जो उद्योग के समक्ष आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान भी सुझाएगी।ड्राफ्ट नीति में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स के लिए ष्टक्क्षङ्ग सहायता का विशेष प्रावधान प्रदान करके विश्व स्तरीय आईटी बुनियादी ढाँचा विकसित करने के प्रावधान शामिल हैं।

मप्र में फिल्म शूटिंग के वादे के साथ 'एक्सपर्ट शॉट' का समापन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय प्रोजेक्ट शूट करने के वादे के साथ मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के 'एक्सपर्ट शॉट 3.0' का समापन गुरुवार को हुआ। अंतिम दिन कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में युवा पीढ़ी को प्रत्साहित करते हुए फिल्म के क्षेत्र में कैरियर बनाने और हर संभव मदद का वादा भी किया। देश के प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस के प्रतिनिधि, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर्स ने दो दिनों के दौरान प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति विभाग एवं प्रबंध संचालक - मप्र टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला से प्रदेश में शूटिंग, फिल्म अधोसंरचना विकास में निवेश एवं स्थानीय कलाकारों की भागीदारी के अवसरों पर चर्चा की। प्रमुख सचिव श्री शिव शेखर शुक्ला ने उन्हें फिल्मों में प्रदेश का नैसर्गिक सौंदर्य, स्थानीय संस्कृति और समृद्ध विरासत को दिखाने का आग्रह किया। साथ ही शासन की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया। एक्सपर्ट शॉट से पूर्व सभी अतिथियों ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के साथ पौध-रोपण भी किया। प्रसिद्ध अभिनेत्री और निर्माता सुश्री वाणी त्रिपाठी टीकू ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती बेहद सरल एवं सहज है। यहाँ पर हर क्षेत्र में कहने के लिए एक नई कहानी है। अगर हमें विश्वगुरु बनना है तो फिर हमारी अंसख्य कहानियों को दुनिया के सामने लाना होगा। मप्र की नीतियों की वजह से तीन बार सर्वश्रेष्ठ फिल्म अनुकूल राज्य का पुरस्कार मिला है। यह प्रदेश फिल्म, वेब सीरिज एवं अन्य परियोजनाओं की शूटिंग के लिए एक प्रमुख राज्य बन गया है। जुगाड़ मोशन पिक्चर्स के प्रोड्यूसर एवं फाउंडर श्री धीर मोमाया ने मध्यप्रदेश में अपने एक इंडो-यूके प्रोजेक्ट की शूटिंग का वादा किया है। उन्होंने कहा कि वे फिल्म शूटिंग के लिए उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश जैसे राज्य में भ्रमण कर चुके हैं, लेकिन मप्र में आकर लगा कि हमारी खोज यहां पूरी हो गई है। इसी प्रकार गुरु फिल्म्स से प्रोड्यूसर (तेलुगू) सुश्री सुनिता टाटी ने भी अपने एक क्षेत्रीय प्रोजेक्ट की शूटिंग प्रदेश में करने की बात कहीं। लायंसगेट, नेटफ्लिक्स, जियो स्टूडियोज, सोनी एंटरटेनमेंट जैसे प्रमुख प्रोडक्शन हाउस के प्रतिनिधि ने भी लोकेशन्स, पॉलिसी और शासन स्तर पर मिल रहे सहयोग से प्रभावित होकर आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर मप्र में शूटिंग संभावनाओं की बात कही। टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक श्री विवेक श्रोत्रिय ने समापन अवसर पर सभी अतिथियों को धन्यवाद प्रेषित किया।

प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने प्रतिनिधियों को राज्य में फिल्म निर्माण और निवेश को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग की आकर्षक नीति और अथक प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सुरम्य परिदृश्य और प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध राज्य है। फिल्म निर्माण की सरल एवं सहज अनुमति प्रणाली, फिल्म अनुकूल नीतियाँ, शासन स्तर पर सहयोग और मेहमाननवाजी जैसी खास वजहों से फिल्म निर्माता बार-बार प्रदेश में फिल्म शूटिंग के लिए आ रहे हैं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

धन्यवाद प्रधानमंत्री जी

प्रदेश को मिली दो नई 'वंदे भारत एक्सप्रेस' की सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
द्वारा

शुभारंभ

27 जून, 2023 । प्रात: 10:00 बजे
रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, भोपाल

भोपाल-जबलपुर एवं भोपाल-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस प्रारंभ

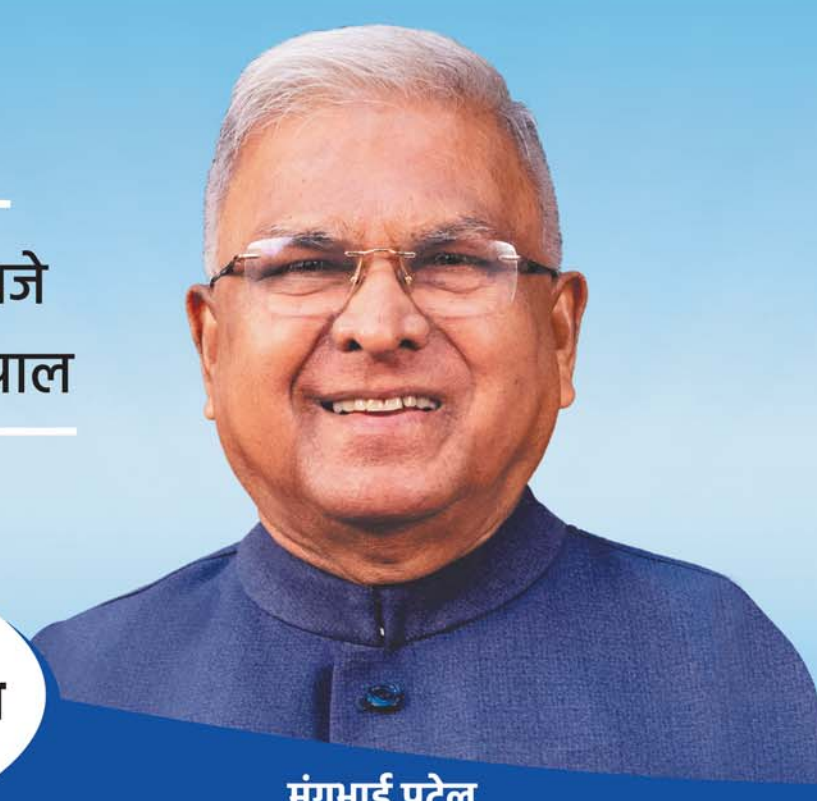

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री

“ देश की विकास यात्रा में पूरा भारत प्रधानमंत्री जी का सहयात्री है, 'वंदे भारत एक्सप्रेस' नये भारत के सपनों की नई गति है। ”
- शिवराज सिंह चौहान

सीधा प्रसारण pmindiawebcast.nic.in DD NEWS @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
मध्यप्रदेश शासन
D-11052/23
आकल्पन : म.प्र. माध्यम

निःशुल्क उच्च शिक्षा के लिये आज होगा चयन

छिन्दवाड़ा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री कमलनाथ एवं सांसद श्री नकुलनाथ के प्रयासों से जिले के होनहार एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को इंदौर स्थित रेनेसॉ यूनिवर्सिटी से निःशुल्क उच्च शिक्षा का अवसर मिलने जा रहा है। ऑनलाइन पंजीकृत विद्यार्थियों के लिये कॉउंसलिंग सत्र का आयोजन 27 जून 2023 मंगलवार को राजीव कांग्रेस भवन में दोपहर 12 बजे से किया गया है। सत्र में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों द्वारा कोर्सेज, सालाना गतिविधयां एवं हॉस्टल आदि की जानकारी प्रदान की जावेगी। आवेदित विद्यार्थियों के विशेषज्ञों द्वारा साक्षात्कार लिये जावेंगे। सभी आवेदित विद्यार्थी अनिवार्य रूप से कार्यक्रम में उपस्थित होवें।

इन कोर्सेज में मिलेगा प्रवेश– कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती कीर्ति सोनी ने बताया कि बीबीए हॉनर्स, बीएससी एग्रीकल्चर, बीकॉम, बीएससी, बीएससी बायोटेक्नोलॉजी, बीएससी फॉरेंसिक साइंस, बीएससी एनीमेशन एवं मल्टीमीडिया, बीए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन फैशन डिजाइन, बी लिब, एमबीए, एमएससी, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी, एमए सायकोलॉजी, एमएससी एग्रीकल्चर आदि में प्रवेश मिलेगा।

सटोरिया महेंद्र सोनी हुआ जिला बदर

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा नगर के वार्ड क्रमांक 2 निवासी महेंद्र पिता जमुना सोनी उम्र 36 वर्ष को किया गया जिला बदर अमरवाड़ा नगर निरीक्षक मोहन सिंह मर्सकोले ने बताया है कि सटोरिया महेंद्र सोनी के विरुद्ध पूर्व के समय में मारपीट ,अवैध जुआ, सट्टा आदि के विभिन्न अपराध पंजीबद्ध हुए थेद्य महेंद्र को जिला विरुद्ध किए जाने का प्रकरण जिला दंडाधिकारी न्यायालय छिंदवाड़ा में प्रचलित था जिस पर जिला दंडाधिकारी छिंदवाड़ा के द्वारा संज्ञान लेते हुए महेंद्र के विरुद्ध प्रचलित दांडिक प्रकरण क्रमांक/ 32/ जिला बदर /20 23 में दिनांक 19 /6/23 को निर्णय पारित किया गया जिसमें महेंद्र को समाज विरोधी क्रियाकलापों से सामाजिक अपराध की रोकथाम, लोक व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 /क/ ख/,6 के तहत छिंदवाड़ा जिले की राजस्व एवं समीप वर्ती जिला सिवनी, नरसिंहपुर ,होशंगाबाद, बैतूल, जिले की राजस्व सीमाओं से 3 माह की कालावधी के लिए निष्कासित किए जाने का आदेश पारित किया गया ,जिसमें थाना अमरवाड़ा पुलिस द्वारा महेंद्र को मंडला जिले के नैनपुर थाना क्षेत्र में निष्कासन हेतु भेज दिया गया है द्य

जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आज

छिन्दवाड़ा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल ने बताया कि 27 जून को दोपहर एक बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, क्षेत्रीय सांसद, जिले के विधायकगण, जिला पंचायत सदस्यों और अध्यक्ष जनपद पंचायतों के साथ ही संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

स्टेंडिंग कमेटी की बैठक का आयोजन 28 जून को

छिन्दवाड़ा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली के व्दितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 के अंतर्गत मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में 28 जून को प्रात: 11 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में स्टेंडिंग कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया है। इस बैठक में सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/सचिव से उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

स्लम बस्ती को सड़क बिजली पानी देगी शहर सरकार: विक्रम अहके

आपकी हर समस्या के निराकरण हेतु सदैव तैयार छिंदवाड़ा नगर निगम की शहर सरकार

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा को साफ-सफाई एवं स्वच्छता में प्रथम स्थान पर लाने हेतु प्रयासरत महापौर विक्रम अहके ने बारिश में होने वाली जलभराव की समस्याओं को देखते गए युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू कर दी हैं जिससे शहर वासियों को किसी प्रकार की समस्याओं का सामना ना करना पड़े इस हेतु महापौर विक्रम अहके ने हेल्प लाईन नम्बर जारी किया गया है जिससें नगर निगम का अमला यथास्थान पर पहुँचकर समस्या के निराकरण के लिए मुस्तैद रहेगा।

सड़क बिजली पानी देगी शहर सरकार

महापौर की टीम ने मौके पर पहुंच क्षेत्र वासियों की सुनी समस्या गठन के बाद से शहर के हर वार्ड में मूलभूत सुविधा मुहैया कराने में जुटी शहर सरकार अब वार्ड क्रमांक 22 को समस्या मुक्त बनाने जा रही है। यहां उस स्थान तक बिजली पानी और सड़क की सुविधाएं मिलेंगी जिसके लिए लम्बे समय से क्षेत्र वासी मांग करते आ रहे है। ध्यान रहे कि महापौर विक्रम अहके शहर सरकार आपके द्वार और महापौर हैल्पलाइन लाइन के माध्यम से लोगों की समस्या सुन रहे है उनका निराकरण भी किया जा रहा है। इसी के तहत सोमवार को महापौर की पूरी टीम शहर के वार्ड क्रमांक 22 में पहुंची थी। यहां स्लम बस्ती के रहवासियों ने बताया कि सरकार ने उन्हें रहने को भूमि के पट्टे दिए है लेकिन मिलने वाली सुविधाएं अब उन्हें मुहैया नहीं हो सकी है। बारिश के दिनों में सड़क स्ट्रीट लाइट और पीने के लिए नलों की पाइप लाइन न होने से उन्हें हर मौसम में परेशानी का सामना करना पड़ा है। पहले भी उन्होंने कई बार निगम के अधिकारियों को पूर्व के पार्षद को अवगत कराया इसके बाद भी वे मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। महापौर ने क्षेत्र वासियों को भरोषा दिलाया है कि उनकी समस्याओं का शहर सरकार जल्द निराकरण करेगी। इस दौरान उनके साथ जलसभापति प्रमोद शर्मा,नगर निगम ग्रामीण अध्यक्ष, दिगंम्बर ठाकरे,क्षेत्रीय अध्यक्ष नीरज यादव,वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र पटेल, कार्यवाहक अध्यक्ष आरिफ ठाकुर उपस्थित थे।

बारिश से स्टेडियम बना तालाब

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में विगत 24 घंटों से निरंतर झमाझम बारिश हो रही है रविवार और सोमवार की दरमियानी रात्रि में झमाझम बारिश हुई सूत्रों के अनुसार रविवार की रात्रि में 65.2 सेंटीमीटर वर्षा मापी गई वही सोमवार सुबह से लगातार बारिश चालू है और रात्रि में भी बारिश हो रही है वर्षा होने से जहां किसानों में खुशी की लहर है अमरवाड़ा स्थित एकमात्र इंदिरा गांधी स्टेडियम पानी लबालब भर गया है स्टेडियम के आउटर बंद हो जाने से यह स्थिति बनी है जिससे लाखों रुपए में समतल किया गया स्टेडियम का मैदान मैं देखने में ऐसा लग रहा है जैसे ताल तलैया हे संबंधित विभागों की उदासीनता के चलते यह स्थिति निर्मित हुई है बहरहाल विभाग इस और कब ध्यान देगा और सब की निगाहें लगी हुई हैं

जिला पंचायत अध्यक्ष ने समस्याओं को जाना

परासिया। जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा सोमवार को ग्राम जाटाछापर एवं ग्राम भमोड़ी में पंचायत प्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं के संबंध में चर्चा की गई जनपद पंचायत सीईओ द्वारा जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार द्वारा समीक्षा बैठक के संबंध में निर्देश जारी किए गए थे। ग्राम पंचायत जाटाछापर में सरपंच नरेंद्र धुर्वे तथा पंचायत सदस्यों के साथ ग्राम निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा की गई इसके बाद ग्राम पंचायत भमोड़ी में स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, पंचायत ग्रामीण विकास विभाग के कर्मचारियों से कार्यों के प्रगति के बारे में जिला पंचायत अध्यक्ष ने जानकारी ली। ग्राम पंचायत के पंच तथा ग्रामीणों ने गांव में पानी की समस्या के बारे में बताया इसके अलावा नार्थचांदामेटा से भमोड़ी बस स्टैंड तक क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण और गांव के विभिन्न वार्डों में 20 विद्युत पोल लगाए जाने की आवश्यकता के बारे में बताया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश देते हुए व्यवस्था बनाने के लिए कहा। आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 3 में जनसहयोग के अंतर्गत ममता नितिन द्वारा सीलिंग फैन प्रदान किया गया। समीक्षा बैठक के दौरान सरपंच विपिन श्रीवास्तव, संतोष प्रजापति, शुभम चौहान, पंच पुनीत पूरी, असलम खान, सविता डेहरिया, संध्या रावतेल, सहायक सचिव इकबाल खान, घनश्याम मरकाम, नितेश नाविक, नितिन राय सहित आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

मेंटेनेंस के नाम पर हो रही बिजली कटौती से लोग हलाकान

परासिया । परासिया शहर में मेंटेनेंस के नाम पर होने वाली बेतहाशा कटौती के चलते लोग बेहद हलाकान है । ?रविवार को बिजली सुबह 10 से बंद होने के बाद लगभग 6 घंटे तक बंद रही । इस दौरान लोग भीषण गर्मी बिना पंखे कूलर के दिन गुजारने को विवश हो रहे थे ।परासिया शहर के वार्ड 17, 18, 19 और 21 में रविवार को बिजली घंटों बंद रही । जिसके चलते इन वार्डों के लगभग 1600 लोग प्रभावित हुए । बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन लगाने पर लोगों को एक ही जवाब मिला की ट्रांसफार्मर मेंटेनेंस किया जा रहा है। जबकि देखा जाए तो कटौती कि यह स्थिति हर 10 से 15 दिनों में बनी रहती है। लोगों को कहना है बिजली अधिकारी मेंटेनेंस का हवाला देखकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं , जबकि ऐसा कुछ देखने को मिलता नहीं ।कटौती जानबूझकर की जा रही है

बरसात शुरु हो गई हैं और नहीं हो पाई सार्वजनिक नालों कि साफ सफाई

परासिया। कोयलांचल क्षेत्र में बरसात के मौसम में जनता हमेशा परेसान रहती है

बरसात शुरु होने लगी है वहीं शहर में स्थित विभिन्न स्थानों पर सार्वजनिक नालो की साफ सफाई नहीं हो पाई है जिससे तेज बारिश होने पर नालों में जाम लग सकता है जिससे पहले जैसी घटना की पुनरावृत्ति न हो जाए इससे पहले भी तेज बारिश से नाले जाम हो गए थे और पानी लोगों के घरों में और रोड पर आ गया था जिससे लोगो के घर गिरे थे और पानी घरों में घुसा था इसलिए वह घटना फिर से न घटे ताकी नालों की साफ सफाई कराई जाये नगर पालिका डोंगर परासिया के नेताप्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह ने कहा है कि परासिया शहर में कई महीनों से विभिन्न वार्डों में गंदगी का अम्बार लगा हुआ है शहर में विभिन्न स्थानों पर सार्वजनिक नालों की साफ सफाई नहीं हो पाई है और ऐसे में अगर मानसुन की बारिश तेज हो जाती है तो नाले जाम हो जायेगे और पानी ओवर फ्लो होकर जैसे पिछले बार जैसा न हो अनेकों उदाहरण है कि बरसाती पानी रोडो और लोगों के घरों में घुस जाता है जिसके कारण शहर में आम जन जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है ऐसे में सबक लेते हुए परासिया शहर में स्थित विभिन्न वार्डों में नालों की साफ सफाई तत्काल करवाई जावे ताकि जन-धन की हानि न हो

उपसंचालक पशुपालन चिकित्सक को हटाने की मांग

कार्यवाही का ज्ञापन सौंपा

छिन्दवाड़ा। संयुक्त क्रांति पार्टी के जिलाअध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा (बल्ली) में प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा की आज का आंदोलन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्रीचंद चैरिया एवं पार्टी के बालाघाट के नगर अध्यक्ष कृष्ण कुमार हटवार के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन कलेक्टर छिन्दवाड़ा को सौंपा गया। जिला अध्यक्ष वर्मा ने बताया कि पशुपालन के उपसंचालक ने बताया कि छिन्दवाड़ा जिले की अतिगरीब आदिवासी 150 महिलाओं के नाम से स्माल पोल्ट्री होल्डर योजना की राशि ठेकेदार से सांठ गांठ कर धोखाधड़ी कर निकाली है जबकि प्रति हितग्राही 1,80,000/- शत प्रतिशत अनुदान स्वरोजगार योजना के तहत मिलती थी उन्होंने उपसंचालक पर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी को 21 जून को ज्ञापन सौंपा । उसी दिन सौंसर के ग्राम सिरगोरा में मुर्गी बांटी गई,दाना,दवा नहीं दी गई ,जबकि राशि 1 साल पहले ही आदिवासी महिलाओं के खातों से धोखाधड़ी कर निकाल ली गई ओर पक्षवार झूठ बोल रहा है कि 150 महिलाओं को पहले ही लाभ दिया गया है आज सौंसर की हितग्राही महिला वन्दना धुर्वे ,रमला सल्लामे ,सुनिता कवरेती ,ईमला सिरसा ,पुष्पा कवरेती, सरस्वती धुर्वे , निर्मला कवरेती इनके साथ संगठन मंत्री केशवराव चरपे ,उपाध्यक्ष सनत चैहान ,कादिर मंसूरी ,बबला शुक्ला एवं अन्य हितग्राही और नेताओं की उपस्थिति में ज्ञापन सौंपा गया ।

4 वर्षों से उपसंचालक पद पर पदस्थ

छिंदवाड़ा। आनेव वाले विधानसभा चुनाव में 3 साल से ज्यादा रहने वाले अधिकारियों को हटाया जावेगा, डॉ. पक्षवार पिछले 4 वर्षो से उपसंचालकके पद पर है, जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि डॉ. पक्षवार ने अपनी नौकरी छिंदवाड़ा से प्रारंभ की है, बीच में दो वर्ष छोड़ देवे तो ये 28 वर्षो से छिंदवाड़ा में है, वर्मा ने चुनाव आयोग को शिकायत की है।

कलेक्टर पहुंची ग्राम पकरिया, ग्राम वासियों के साथ किया रात्रि भोजन और भजन

शहडोल ~ शहडोल की कलेक्टर वंदना वैद्य ने आज शाम शहडोल जिले के ग्राम पकरिया में ग्राम वासियों के बीच बिताई। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम स्थगित होने की जानकारी मिलने पर ग्रामवासी निराश थे। इस संबंध में कलेक्टर स्वयं अपने अधिकारियों के साथ ग्राम में पहुंची और ग्रामवासियों से चर्चा की। उन्हें भोजन पैकेट वितरित किए और उनके साथ भोजन भी किया। साथ ही भजन कीर्तन में भी भाग लिया। इसी बीच जब फिर यह जानकारी मिली कि प्रधानमंत्री अब 1 जुलाई को आ रहे हैं तो ग्राम वासियों में फिर से उत्साह का संचार हो गया।

27 की जगह अब 1 को शहडोल आएंगे पीएम मोदी

भारी वर्षा के अलर्ट से स्थगित हुआ कार्यक्रम

शहडोल। जिले मे हो रही भारी वर्षा के बीच प्रधानमंत्री का लालपुर आगमन का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है लगातार रविवार से चल रही वर्षा ने सभी के मन मे यह डर बैठा रखा था की कही ऐसा ना हो की कार्यक्रम मे कोई दिक्कत आन पड़े लिहाजा भारी वर्षा और जनता की परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए प्रधानमंत्री का लालपुर मे होने जा रहा कार्यक्रम आगामी 1 जुलाई को तय किया गया है7 आपको बता दे जिले मे रविवार से कही झमाझम तो कही बूदा बाँदी के साथ मानसून ने जिले मे आगमन लिया और फिर धीरे धीरे इसका ग्राफ बढ़ता ही चला गया7 जिले मे होने जा रहे इस कार्यक्रम मे पंडाल वैसे ही लगा रहेगा,पकरिया गांव मे जहाँ मोदी जी का कार्यक्रम और आजीविका की दीदियो से संवाद करने वाले थे वहां की तैयारियां भी लगभग पूरी हो गयी थी 7प्रधानमंत्री के आम सभा स्थल पर लगभग 2 लाख वर्गफिट वाटर प्रूफ़ पंडाल बनाया गया है जिसका विगत दिनों मुख्यमंत्री शिवराज द्वारा स्वयं जायजा भी लिया गया था जिसमें 100000 कुर्सियां लगाई गई है इसी के अंदर मंच ग्रीन रूफ और भी वीआईपी और वीवीआईपी की बैठक व्यवस्था सहित सभी सुविधाएं तैयार की गई हैं,जानकारी अनुसार पकरिया में जिस आम के पेड़ के नीचे मोदी जी की सभा होनी थी उसे देहाती लुक देने के लिए प्रशासन ने तैयारियां की थी मिट्टी की दीवार पेंटिंग बघेसूर का प्रतिबिम्ब समेत साज सज्जा की गई है 7

जब भी चुनाव नजदीक आते है कांग्रेस झूठ और भ्रम का मकड़जाल फैलाती है :विधायक विजयपाल सिंह

नर्मदापुरम। जब भी चुनाव नजदीक आते है कांग्रेस झूठ और भ्रम फैलाने का कार्य जनता के बीच करती है। कांग्रेस ने 15 महीने की अपनी सरकार में किसान और युवाओं के साथ छलावा किया था। कांग्रेस ने सत्ता में आते ही गरीब कल्याण की कई योजनाएं भी बंद कर दी थी। कांग्रेस की गलत नीतियों से किसान इनकी सरकार में कर्जदार हो गए थे। अब चुनाव नजदीक है कांग्रेस ने अपने झूठ और भ्रम का मकड़जाल फैलाना प्रारंभ कर दिया है यह बात रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने कही। पत्रकार वार्ता में विधायक श्री सिंह ने केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों ने जनकल्याण की सैकड़ों योजनाएं बनाई है जिसका लाभ आज अंतिम तबके के व्यक्ति को मिल रहा है। मध्यप्रदेश में किसानों की आय दोगुनी करने का काम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया है। कांग्रेसी की गलत नीतियों कारण हमारे किसान कर्जदार हो गए थे उन्हें कर्ज के संकट से निकालने का काम हमारी भाजपा सरकार ने किया है। प्रदेश सरकार ने मूंग खरीदी पर एमएसपी तय कर दी है। सोमवार से हमारे जिले में भी मूंग खरीदी चालू हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना के माध्यम से प्रदेश की बहनों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया है। प्रदेश में गरीब कल्याण की अनेकों योजनाएं चल रही है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से आज हमारे देश का डंका विदेशों में भी बजा है। आज हमारे प्रधानमंत्री जब विदेशों के दौरे पर जाते है तो उस देश का प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति पलक पाबड़े बिछाकर मोदी जी का इंतजार करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नव वर्ष का कार्यकाल स्वर्णिम कार्यकाल रहा है इस कार्यकाल में भारत मजबूती से विकास के आयाम गढ़ रहा है। कांग्रेस सत्ता के लिए छटपटा रही है और हमारी लाड़ली बहनों को नारी सम्मान के नाम पर भ्रमित कर रही है। हम तो हमारे विकास कार्यों की सूची लेकर कांग्रेस को खुले मंच से बहस करने की चुनौती देते है। मीडिया प्रभारी अमित महालहा ने बताया कि इस प्रेस वार्ता में भाजपा जिला महामंत्री प्रसन्न हर्णे , मुकेशचंद्र मैना , भाजपा झुझोप्र प्रदेश संयोजक अखिलेश खंडेलवाल , जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी , वरिष्ठ नेता संदेश पुरोहित , कोषाध्यक्ष लोकेश तिवारी , कार्यालय मंत्री प्रशांत दीक्षित , भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक महालहा , नर्मदापुर मंडल अध्यक्ष रोहित गौर , महिला मोर्चा अध्यक्ष अर्चना पुरोहित , भाजपा नगरमंत्री मनीष परदेशी उपस्थित थे।

निर्वाचन की जिला स्टैंडिंग समिति की बैठक संपन्न

छतरपुर। जिला स्टैंडिंग समिति छतरपुर की बैठक कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। राजनैतिक दलों को विधानसभा निर्वाचन के लिए फोटो निर्वाचक नामावली के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित सांघी, एडीएम नम: शिवाय अरजरिया सहित जिले की विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी, चंदला विधायक राजेश प्रजापति सहित विधायक एवं सांसद प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर संदीप जी आर ने प्रतिनिधियों से अपील करते हुये कहा कि जेंडर रेसों को आदर्श स्थिति में पहुंचाने के लिए महिलाओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के कार्य में सहयोग करें। जेंडर रेसों के सुधार हेतु स्वीप संबंधी विभिन्न गतिविधियां की जाएगी। उन्होंने बताया कि मतदान के लिए वोटर को 2 किमी से अधिक नहीं जाना होगा। मतदान केन्द्र वोटर के नजदीक ही बनाये जा रहे है, 18 वर्ष की उम्र के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जा रहे है इस कार्य में राजनैतिक दल भी सहयोग करें। वह क्षेत्र के बीएलओ से निर्धारित स्थल पर मिलकर अपना नाम जुड़वा सकेंगे। जिले में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए सभी का सहयोग लिया जाएगा।

एडीएम नम: शिवाय अरजरिया ने समिति के सदस्यों को फोटो निर्वाचक नामावली के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुर्नरीक्षण अभियान में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार तय कार्यक्रम के तहत की जा रही गतिविधियों की चरणबद्ध जानकारी ली, 24 जून से 27 जुलाई तक मतदाता सूची के लॉजिकल एरर संबंधी सुधार की गतिविधियां होगी, 2 अगस्त से 31 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त होगी। अगस्त माह में 12 एवं 13 और 19 एवं 20 को विशेष अभियान चलाया जाकर मतदाताओं के नाम जोड़े जाएगे, 4 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

बैठक में विधानसभा क्षेत्रवार मत केन्द्र भवन के संशोधित प्रस्ताव चर्चा कर लिए गए। बैठक में जानकारी दी गई कि निर्वाचन आयोग के प्रावधान के अनुसार ऐसे मतदाता जिनके उम्र 80 वर्ष या अधिक है वह अपने घर से वोट कर सकेगें। जिसके लिए उन्हें फार्म-12डी भरकर देना होगा। इसीतरह आयोग द्वारा जो मतदाता 18 वर्ष उम्र के हो चुके है उनके नाम 1 जनवरी, 1 अप्रैल और 1 अक्टूबर से जोड़ने का प्रावधान किया गया है।

ड्रीम इंडिया स्कूलों में शिक्षा के साथ प्रौद्योगिकी का एकीकरण

इटारसी // पूरे भारत में ड्रीम इंडिया स्कूल और वनलर्न ने भारत के 6 राज्यों में स्थित ड्रीम इंडिया स्कूल के सभी 34 स्कूलों में शिक्षा के साथ प्रौद्योगिकी को मजबूत करने और एकीकृत करने के लिए आज हैदराबाद में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह में उपस्थित अधिकारियों में वनलर्न के संस्थापक और सीईओ टीसी अशोक, सीएफबीटी से जीवीएस प्रसाद, सुधीर चिटनिस (ड्रीम इंडिया स्कूल के राष्ट्रीय संचालन प्रमुख) और दोनों टीमों के अन्य अधिकारी शामिल थे।

संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया जिसमें कहा गया ÷अब हम एक प्रौद्योगिकी स्कूल हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हमारी कक्षाएँ और हमारे शिक्षक शिक्षा में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करें ताकि वे भारत की अगली पीढ़ी, जो वर्तमान में हमारे स्कूली छात्र हैं, के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ सकें। हमें बेहद गर्व है कि हमारे स्कूल में शिक्षण और सीखने को वनलर्न हैदराबाद के हमारे ज्ञान भागीदारों द्वारा निर्देशित प्रौद्योगिकी उपकरणों और शैक्षणिक संसाधनों द्वारा समर्थित किया जाएगा। हम सर्वांगीण शिक्षा में निवेश करने वाले किफायती स्कूलों की पहली श्रृंखला में से एक होंगे जो प्रौद्योगिकी और शिक्षा को समग्र रूप से एकीकृत करती है÷ उक्त जानकारी ड्रीम इंडिया इंडिया स्कूल होशंगाबाद की प्रिंसिपल आरती भावसार ओर इटारसी स्कूल की प्रिंसिपल सरोज चौहान द्वारा दी गई ।

कार्यालय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. मोहना जिला शाजापुर

जिला शाजापुर पंजी. क्रं. 1131 दिनांक 29.10.1966

दिनांक 26.06.2023

विशेष साधारण सभा की सूचना

महानुभाव,

संस्था सदस्यों को सूचित किया जाता है कि सोसायटी की विशेष साधारण सम्मिलन दिनांक 18.07.2023 को दोपहर 1.00 बजे स्थान प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्या. मोहना में विशेष साधारण सभा का आयोजन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता संस्था प्रशासक द्वारा की जावेगी जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है

नोटः संस्था पुनर्गठन की योजना तैयार कर सोसायटी कार्यालय में रखी गई है जो भी सदस्यगण अवलोकन करना चाहे उपलब्ध है।

विषय सूची

1. संस्था की पुर्नगठन किया जाने पर विचार

संस्था प्रबंधक
प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था
मर्या. मोहना जिला शाजापुर

विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता,
भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय

श्री नरेन्द्र मोदी जी

का राजा भोज एवं
रानी कमलापति की नगरी
भोपाल आगमन पर

हार्दिक स्वागत

सौजन्य: भारतीय जनता पार्टी, मध्यप्रदेश